करेंट अफेयर्स

राजस्थान

(संग्रह)

फरवरी 2025

Drishti IAS

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **3**

- वेटलैंड सिटी मान्यता: वैश्विक सूची 3
- धर्मांतरण विरोधी विधेयक 4
- अल्पसंख्यक मामलों के नए निदेशक 4
- भगवान श्रीदेवनारायण की जयंती 5
- धाकड़ समाज का 32वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन 5
- सैडल बाँध 6
- बाणेश्वर मेला - 2025 7
- इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगी सब्सिडी 8
- भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास साइक्लोन-III 9
- कोटा में अमोनिया गैस रिसाव 10
- क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन 12
- मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा 13
- अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन 14
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस 15
- राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2024-25 16
- राजस्थान बजट 2025-26 25
- कढ़ाई और सतह अलंकरण प्रदर्शनी 36
- 12वाँ क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 37
- बाल महोत्सव 'आजू गूजा' 38

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राजस्थान

वेटलैंड सिटी मान्यता: वैश्विक सूची

चर्चा में क्यों ?

इंदौर और उदयपुर रामसर अभिसमय के तहत **आर्द्रभूमि शहर (वेटलैंड सिटी) के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाले** पहले **दो भारतीय शहर** बन गए हैं।

मुख्य बिंदु

- **आर्द्रभूमि संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय मान्यता:**
  - वेटलैंड सिटी मान्यता उन शहरों को मान्यता देती है जो अपने **प्राकृतिक और मानव निर्मित वेटलैंड्स के संरक्षण को प्राथमिकता देते हैं।**
  - वेटलैंड सिटी मान्यता पर सलाहकार समिति ने इंदौर और उदयपुर सहित **31 नए शहरों को मान्यता प्रदान की, जिससे मान्यता प्राप्त वैश्विक शहरों की संख्या 74 हो गई।**
- **भोपाल को मान्यता प्राप्त करने में असफलता मिली:**
  - भोपाल, जिसे इंदौर और उदयपुर के साथ नामित किया गया था, को भोज आर्द्रभूमि पर पारिस्थितिक प्रभाव की **चिंताओं के कारण मान्यता नहीं** मिली।
  - नागरिक समूहों ने **आर्द्रभूमि के जलग्रहण क्षेत्र से होकर गुजरने वाली प्रस्तावित सड़क परियोजना** के संबंध में **चिंता व्यक्त की है,** जिससे स्थानीय जल निकायों और वन्य जीवन को जोखिम हो सकता है।
- **वेटलैंड सिटी मान्यता हेतु मानदंड:**
  - शहरों को **छह अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को पूरा करना होगा,** जिनमें शामिल हैं:
    - आर्द्रभूमि और उनकी पारिस्थितिकी सेवाओं का संरक्षण करना।
    - स्थानीय जनसंख्या के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ सुनिश्चित करना।
- **वेटलैंड सिटी मान्यता की वैश्विक स्थिति:**
  - चीन 22 मान्यता प्राप्त शहरों के साथ **वैश्विक सूची में शीर्ष पर है, जबकि फ्रांस** 9 शहरों के साथ दूसरे स्थान पर है।
  - मान्यता कार्यक्रम **शहरी और अर्ध-शहरी आर्द्रभूमि के सतत उपयोग को बढ़ावा देता है।**

वेटलैंड सिटी प्रमाणन (WCA)

- WCA एक **स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसे रामसर अभिसमय द्वारा 12 अनुबंध पक्षों के सम्मेलन (COP) 2015** के दौरान स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य उन शहरों को मान्यता देना है जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा के लिये असाधारण कदम उठाए हैं।
  - WCA **6 वर्षों के लिये मान्य** होता है।
- इस योजना का **उद्देश्य शहरी और अर्द्ध-शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना है,** साथ ही स्थानीय जनसंख्या के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदान करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

धर्मांतरण विरोधी विधेयक

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने गैरकानूनी धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025 **पेश किया,** जिसका उद्देश्य **बल, धोखाधड़ी या प्रलोभन के माध्यम द्वारा** धर्मांतरण को रोकना है।

- विधेयक में विभिन्न अपराधों के लिये 10 **वर्ष तक के कारावास** और 50,000 **रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है।**

मुख्य बिंदु

- **अनुमोदन और उद्देश्य:**
  - नवंबर 2024 में, **राज्य मंत्रिमंडल ने विधेयक के मसौदे को मंज़ूरी दी,** जिसका उद्देश्य राज्य के कुछ क्षेत्रों में **"लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं" को रोकना था।**
    - 'लव जिहाद' शब्द का तात्पर्य मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं से विवाह कर उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने से है।
- **विधेयक के प्रावधान:**
  - राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने विधेयक पेश किया, जो अपराधों को **संज्ञेय, गैर-जमानती और अदालत में सुनवाई योग्य बनाता है।**
  - विधेयक गलत बयानी, बल, दबाव, प्रलोभन, धोखाधड़ी या विवाह के माध्यम से **धर्मांतरण को अपराध मानता है।**
  - धर्म परिवर्तन के इच्छुक व्यक्तियों को कम से कम 60 दिन पहले ज़िला मजिस्ट्रेट को घोषणा-पत्र देना होगा।
- **विधेयक के पीछे तर्क:**
  - विधेयक के अनुसार, जहाँ अन्य राज्यों में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार पर कानून हैं, वहीं राजस्थान में ऐसा कोई कानून नहीं है।
  - विधेयक का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता के व्यक्तिगत अधिकार को धर्मांतरण को रोकने की आवश्यकता के साथ संतुलित करना है, जो धर्मनिरपेक्षता को दुर्बल कर सकता है।

धार्मिक रूपांतरण

- धार्मिक रूपांतरण **एक विशेष धार्मिक संप्रदाय से संबंधी मान्यताओं को अपनाना** है, जिसमें अन्य को शामिल नहीं किया जाता।
- इस प्रकार "धार्मिक रूपांतरण" से तात्पर्य **एक संप्रदाय के प्रति निष्ठा को त्यागकर** दूसरे संप्रदाय से सम्बद्ध होना होगा।
  - उदाहरण के लिये, ईसाई बैपटिस्ट से मेथोडिस्ट या कैथोलिक, मुस्लिम शिया से सुन्नी।
- कुछ मामलों में, धार्मिक रूपांतरण "**धार्मिक पहचान में परिवर्तन का प्रतीक है** और विशेष अनुष्ठानों द्वारा इसका प्रतीक है"।

अल्पसंख्यक मामलों के नए निदेशक

चर्चा में क्यों?

5 फरवरी, 2025 को भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी **मातादीन मीना** ने अल्पसंख्यक मामलात विभाग के निदेशक का कार्यभार संभाला।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- पदभार संभालने के बाद अधिकारी ने मदरसा बोर्ड का दौरा कर विभिन्न अनुभागों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया।
- इस दौरान उन्होंने निदेशालय के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों से फीडबैक लिया और उन्हें ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवाभाव के साथ कार्य करने के निर्देश दिये।

अल्पसंख्यक मामलात विभाग

- राजस्थान सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक समुदायों (**मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी**) के सर्वांगीण विकास और सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान के लिये 2009 में एक नया अल्पसंख्यक विभाग स्थापित किया।
- यह विभाग अल्पसंख्यक समुदायों के लाभ के लिये नीतियों, योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की समीक्षा तथा समन्वय करता है। इस विभाग का नेतृत्व अल्पसंख्यक मामले और वक्फ के मंत्री द्वारा किया जाता है।

भगवान श्रीदेवनारायण की जयंती

चर्चा में क्यों

भगवान विष्णु के अवतार और गुर्जर समाज के परम आराध्य भगवान देवनारायण की 1113 वीं जयंती प्रदेश में धूमधाम के साथ मनाई गई।

मुख्य बिंदु

- **लोक देवता:** विष्णु का अवतार माने जाने वाले भगवान् देवनारायण राजस्थान के प्रमुख लोक देवता हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन लोक कल्याण के लिये समर्पित कर दिया था।
- वह गुर्जर समाज के परम आराध्य हैं। भगवान देवनारायण का दूसरा नाम उदयसिंह देव भी था।
- **मुख्य धाम:** मालासेरी। भगवान देवनारायण का जन्म **राजस्थान के मालासेरी** में हुआ था। इसलिये मालासेरी गुर्जरों का **मुख्य धाम कहा जाता** हैं। भगवान देवनारायण बगड़ावत वंश के बताए जाते हैं।
- बताया जाता है कि **देवनारायण राजस्थान के अलावा में मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भी रहे हैं।**
- **जन्म:** उनका जन्म माघ माह के शुक्ल पक्ष को षष्ठी के दिन आता है। इस दौरान गुर्जर समाज की ओर से मकर संक्रांति **और देव एकादशी पर उनकी पूजा की जाती है**।

धाकड़ समाज का 32वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री ने कोटा के दशहरा मैदान में धाकड़ समाज के 32वें राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित किया।

मुख्य बिंदु

- अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने धाकड़ समाज को देश के **समग्र विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाला** समाज बताते हुए उनके **इतिहास, कठिन परिश्रम, सेवा-भाव** पर प्रकाश डाला।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- श्री धरणीधर भगवान के उपासक धाकड़ समाज अब केवल कृषि कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्यमिता के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है।
- मुख्यमंत्री ने अधिवेशन में **किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान पर ज़ोर दिया**।
- अधिवेशन में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने के लिये किसानों की समृद्धि और खुशहाली पर विशेष ज़ोर दिया।

धाकड़ समाज

- धाकड़ समाज मुख्यत: **राजस्थान और मध्य प्रदेश** में एक हिंदू कृषक क्षत्रिय जाति है, जिसका उल्लेख कई शिलालेखों में भी मिलता है।
  - ये राजस्थान के टोंक, बूंदी, कोटा, झालावाड़, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़ और अजमेर ज़िलों में रहते हैं।
- **'धाकड़' शब्द का अर्थ** है वह जो **किसी से नहीं डरता** बल्कि साहसपूर्वक परिस्थितियों का सामना करता है।
- ये खुद को **बलदाऊजी (भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम) के वंशज** मानते हैं।
- ये हिंदी **बोलते हैं और** देवनागरी **का उपयोग** करते हैं।

सैडल बाँध

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री ने रावतभाटा स्थित राणा प्रताप सागर बाँध के अपस्ट्रीम में सैडल बाँध का निरीक्षण किया।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।
- जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने उन्हें **राणा प्रताप सागर-ब्राह्मणी बाढ़ सुरक्षा प्रबंधन और बीसलपुर बाँध** में जल अपवर्तन परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी।
- **बाँध का महत्त्व:** सैडल डैम के सरप्लस वाटर को **ब्राह्मणी नदी** से जोड़कर **बीसलपुर बाँध** तक ले जाया जाएगा। जिससे सरप्लस पानी का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा और पानी का अपव्यय नहीं होगा।
  - इस परियोजना के अंतर्गत ब्राह्मणी नदी पर एक बैराज श्रीपुरा गाँव में बनाया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, परियोजना के अंतर्गत सुरंगों का निर्माण एवं बूंदी ज़िले के गरडदा, अभयपुरा एवं **गुढ़ा बाँध** को भी भरा जाना प्रस्तावित है।

- **राणा प्रताप सागर बाँध**
  - राणा प्रताप सागर बाँध राजस्थान के चित्तौड़गढ़ ज़िले में रावतभाटा शहर के पास चंबल नदी पर स्थित है।
  - यह चंबल घाटी परियोजना का हिस्सा है, जिसमें **गांधी सागर और जवाहर सागर बाँध** भी शामिल हैं।
  - इस बाँध का उद्देश्य सिंचाई, जलविद्युत उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण है। बाँध द्वारा निर्मित जलाशय को **राणा प्रताप सागर** झील के नाम से जाना जाता है।
- **ब्राह्मणी नदी**
  - ब्राह्मणी नदी चम्बल की सहायक नदी है जो **मध्य प्रदेश निकलकर राजस्थान** में प्रवाहित होती है।
  - ज्ञातव्य है कि ब्राह्मणी नाम की एक अन्य नदी है जो झारखंड के दुमका ज़िले से निकलकर पूर्व की ओर ओड़िसा राज्य में बहती है।
    - यह नदी राउर**केला के पास शंख और दक्षिण कोयल नद**ियों के संगम से बनती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बाणेश्वर मेला - 2025

चर्चा में क्यों ?

डूंगरपुर ज़िले के बेणेश्वर धाम पर बेणेश्वर मेले का 8 से 12 फरवरी 2025 तक आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

मेले के बारे में:

- बाणेश्वर मेला राजस्थान के डूंगरपुर ज़िले **में** आयोजित होने वाला एक विशाल आदिवासी मेला है। यह जनवरी या फरवरी के महीनों में आयोजित होने वाला एक **वार्षिक उत्सव** है, जो **बाणेश्वर महादेव (भगवान शिव) को समर्पित** है।
- इस पवित्र अवसर पर **गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से भील लोग यात्रा** करते हुए आते हैं ताकि नदियों के (**माही और सोम के) संगम पर** डुबकी लगा सकें।
  - यह मेला भीलों की समृद्ध आदिवासी संस्कृति को प्रदर्शित करता है और इसे "**आदिवासियों का कुंभ मेला" कहा** जाता है।
- **इतिहास**
  - बाणेश्वर नाम की **उत्पत्ति डूंगरपुर के शिव मंदिर में स्थित शिव लिंग से हुई है।** स्थानीय भाषा में, बाणेश्वर का अर्थ है '**डेल्टा का स्वामी**'। यह मेला डेल्टा पर आयोजित किया जाता है, जो सोम और माही नदियों के संगम से बनता है।
  - यह मेला **500 वर्ष पहले शुरू** हुआ था जब मावजी की पत्नी जनकुंवरी ने अपने ससुर के लिये एक विष्णु मंदिर बनवाया था क्योंकि उनका मानना था कि मावजी **भगवान** विष्णु के अवतार **थे।**
    - यह मेला वास्तव में दो मेलों का संयोजन है - एक शिव मंदिर में और दूसरा विष्णु मंदिर में आयोजित किया जाता है।
- **सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल:**
  - बेणेश्वर मेले के दौरान **ज़िला प्रशासन**, **पर्यटन विभाग** और **जनजाति विकास विभाग** की ओर से कई सांस्कृतिक व खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किये गए, साथ ही पुरुष और महिला वर्ग की एथलेटिक्स, सितोलिया प्रतियोगिता आयोजित की गई।
  - इसी प्रकार **तीरंदाजी, वालीबॉल, रस्साकसी** महिलाओं की मटका दौड़, भजन मंडली, साफा बाँधों प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

डूंगरपुर ज़िला

- डूंगरपुर ज़िले के संस्थापक **डूंगरसिंह (1358) थे।** यह राजस्थान का **तीसरा सबसे छोटा ज़िला** है।
- **सीमा साझा:** यह चार जिलों **उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ व सलूंबर** के साथ सीमा साझा करता है।
  - इसकी गुजरात से अंतर्राज्यीय सीमा लगती है।
- **दर्शनीय स्थल:** डूंगरपुर में **जूना महल, उदई बिलास पैलेस, गैब सागर झील और बादल महल** प्रमुख ऐतिहासिक महत्त्व के स्थल हैं।
- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले डूँगरपुर तथा बॉसवाड़ा का क्षेत्र 'वागड़' कहलाता था।
- यह राज्य में सर्वाधिक लिंगानुपात (994) वाला ज़िला है।
- यह ज़िला चारों ओर से अरावली की पहाड़ियों से घिरा हुआ है।
- राज्य में अरब सागर मानसून की शाखा सर्वप्रथम डूँगरपुर ज़िले में ही प्रवेश करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगी सब्सिडी

चर्चा में क्यों?

राज्य मे इलेक्ट्रिक वाहनों को बढावा देने हेतु इलेक्ट्रिक वाहन नीति- 2022 के अंतर्गत 200 करोड़ रुपए का **ई-व्हीकल प्रमोशन फंड** गठित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **फंड के बारे में:**
  - राज्य सरकार की "**इलेक्ट्रिक वाहन नीति**-2022" में फेम-2 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आधुनिक बैटरी से लैस इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदारों को राज्य जीएसटी राशि की प्रतिपूर्ति और ई-वाहन प्रोत्साहन निधि से एकमुश्त अनुदान देने का प्रावधान शामिल है।
  - प्रतिपूर्ति और एकमुश्त अनुदान राशि 1 **जनवरी** 2022 से खरीदे गए और राज्य में पंजीकृत वाहनों पर देय होगी।
- **सब्सिडी की प्रक्रिया:**
  - सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए सबसे पहले वाहन निर्माता को विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा।
  - सत्यापन के बाद विभाग वाहन खरीदार को अनुदान के लिए आवेदन करने की अनुमति देगा।
    - इस नीति के तहत दोपहिया वाहनों से लेकर भारी वाहनों तक सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल किया गया है।
- सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को डीजल और पेट्रोल के बजाए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रदूषण को कम करना और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना है।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभ:**
  - इससे कोई टेलपाइप उत्सर्जन नहीं होता, जिससे स्वच्छ हवा मिलती है और जन स्वास्थ्य में सुधार होता है।
  - बिजली गैसोलीन से सस्ती हो सकती है, जिससे प्रति किलोमीटर ईंधन की लागत कम होती है।
  - इलेक्ट्रिक मोटर गैसोलीन इंजन की तुलना में काफी कम शोर उत्पन्नकरते हैं।
  - इलेक्ट्रिक मोटर गैसोलीन इंजन की तुलना में अधिक प्रतिशत ऊर्जा को उपयोगी शक्ति में परिवर्तित करते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन

- इलेक्ट्रिक वाहन एक प्रकार के वाहन हैं, जो पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन (ICE) के बजाए, जो गैसोलीन या डीज़ल जलाते हैं, प्रणोदन के लिये एक या एक से अधिक इलेक्ट्रिक मोटर्स का उपयोग करते हैं।
- **इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार:**
  - बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEV): ये प्रणोदन के लिये पूरी तरह बैटरी शक्ति पर निर्भर होते हैं तथा शून्य टेलपाइप उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं।
  - प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV): इलेक्ट्रिक मोटर को गैसोलीन इंजन के साथ संयोजित करें। इन्हें बाहरी रूप से चार्ज किया जा सकता है **और सीमित दूरी तक बैटरी पावर** पर चलाया जा सकता है, फिर लंबी यात्राओं के लिये गैसोलीन इंजन पर स्विच किया जा सकता है।
  - हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEVs): इनमें इलेक्ट्रिक मोटर और गैसोलीन इंजन दोनों का उपयोग होता है, **लेकिन बैटरी को सीधे प्लग इन करके चार्ज नहीं किया जा सकता।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास साइक्लोन-III

चर्चा में क्यों ?

भारत और मिस्र के बीच संयुक्त विशेष बल अभ्यास "साइक्लोन-III" 10 फरवरी 2025 से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ।

मुख्य बिंदु

- **साइक्लोन-III के बारे में:**
  - यह एक **वार्षिक अभ्यास है, जिसे दोनों देशों में बारी-बारी** से आयोजित किया जाता है।
- इसका **पिछला संस्करण जनवरी 2024 में** मिस्र के अंशास **में** आयोजित हुआ था।
- भारतीय टीम में 25 सैनिक होंगे, जिनका प्रतिनिधित्व दो विशेष बल बटालियनों के जवान करेंगे। वहीं, मिस्र की टीम में भी 25 सैनिक होंगे, जिनका प्रतिनिधित्व मिस्र के विशेष बल समूह और टास्क फोर्स के जवान करेंगे।

अभ्यास के उद्देश्य:

- दोनों देशों के बीच **सैन्य संबंधों को सुदृढ़ करना।**
- शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और सामरिक अभ्यास पर विशेष ध्यान देना।
- रेगिस्तान और अर्ध-रेगिस्तानी क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिये सामरिक अभ्यासों का पूर्वाभ्यास और सत्यापन करना।
  - इसमें मिस्र द्वारा स्वदेशी सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन और रक्षा विनिर्माण उद्योग का निरीक्षण भी किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मिस्र

- मिस्र उत्तरपूर्वी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया (मध्य पूर्व) में सिनाई प्रायद्वीप में एक अंतरमहाद्वीपीय देश है।
- काहिरा मिस्र की राजधानी है।

सीमाएँ:

- **उत्तर:** भूमध्य सागर की सीमाएँ।
- **पूर्व:** स्वेज की खाड़ी और लाल सागर से घिरा हुआ।
- **पश्चिम:** लीबिया के साथ भूमि सीमा साझा करता है।
- **उत्तर-पूर्व:** गाज़ा पट्टी (फिलिस्तीनी क्षेत्र) और इज़रायल की सीमाएँ।
- **दक्षिण:** सूडान के साथ सीमा साझा करता है।

समुद्री सीमाएँ:

- **भूमध्य सागर:** साइप्रस, तुर्की और ग्रीस के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- **लाल सागर:** जॉर्डन और सऊदी अरब के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है।
- मिस्र ने 1922 में आधुनिक स्वतंत्रता प्राप्त की।
- आधिकारिक भाषा आधुनिक मानक अरबी है।
- आम तौर पर बोली जाने वाली बोली मिस्री अरबी (मसरी) है।
- **इस्लाम प्रमुख धर्म है,** जिसमें 85-90% आबादी सुन्नी मुस्लिम है।

प्रमुख नदी:

- नील नदी मिस्र में साल भर बहने वाली एकमात्र नदी है। लगभग 98% आबादी नील नदी घाटी में रहती है।

कोटा में अमोनिया गैस रिसाव

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के कोटा ज़िले के गड़ेपान गाँव के पास **चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (CFCL) प्लांट** से अमोनिया गैस लीक हो गई। इस गैस के रिसाव से **सरकारी स्कूल के छात्र बीमार पड़ गए,** बच्चों ने गैस की तेज़, दम घुटने वाली गंध के कारण जी मिचलाने और बेहोश होने की शिकायत की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **गैस रिसाव का प्रभाव:**
  - गैस रिसाव से स्कूल परिसर में पानी भरने गए छात्रों पर असर पड़ा, जिनमें से कुछ ने **सांस लेने में तकलीफ और पेट दर्द की शिकायत की।**
  - स्कूल **और CFCL फैक्ट्री की सीमाएँ एक-दूसरे से मिलती हैं,** जिससे संभवत: यह जोखिम बढ़ा है।
  - छात्रों की हालत बिगड़ने पर स्कूल स्टाफ ने उन्हें तुरंत अपने वाहनों से अस्पताल पहुँचाया।
- **एहतियाती उपाय:**
  - घटना के बाद एहतियात के तौर पर स्कूल बंद कर दिया गया और बच्चों को घर भेज दिया गया, जिससे गाँव में दहशत फैल गई।
  - लोकसभा अध्यक्ष और स्थानीय अधिकारियों ने प्रभावित छात्रों का हालचाल जानने के लिये अस्पताल का दौरा किया।

अमोनिया गैस (NH3)

- **परिचय:**
  - यह नाइट्रोजन और हाइड्रोजन का यौगिक है।
  - यह एक रंगहीन गैस है जिसकी गंध तीखी और तीव्र होती है।
  - अमोनिया अत्यधिक क्रियाशील और घुलनशील क्षारीय गैस है।
- **उत्पादन का तरीका:**
  - प्राकृतिक:
    - जीवाणु प्रक्रियाओं के माध्यम से मिट्टी में उत्पादित।
    - पौधों, जानवरों और पशु अपशिष्ट सहित कार्बनिक पदार्थों के अपघटन के दौरान उत्पन्न।
    - आंतों में उपस्थित बैक्टीरिया भी अमोनिया उत्पन्न करते हैं तथा इसकी एक छोटी मात्रा बिजली गिरने से उत्पन्न होती है।
  - **व्यावसायिक:**
    - प्राकृतिक गैस के भाप सुधार और कोयला गैसीकरण के माध्यम से उत्पादित।
- **उपयोग:**
  - **इसका उपयोग यूरिया जैसे नाइट्रोजन यौगिकों के उत्पादन** के लिये किया जाता है, **जो उर्वरकों में नाइट्रोजन** का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला स्रोत है।
  - **फसलों, घास और पौधों के लिये मृदा** पर सीधे उपयोग किया जाता है।
  - **विभिन्न सफाई उत्पादों** में उपयोग किया जाता है।
  - **अमोनियम नाइट्रेट, अमोनियम सल्फेट और विभिन्न अमोनियम फॉस्फेट** जैसे यौगिक बनाता है।
  - **विस्फोटकों के निर्माण** में उपयोग किया जाता है .
  - **प्रशीतन और शीतलन प्रणालियों** में उपयोग किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **प्रभावः**
  - पौधे:
    - **पत्तियों को प्रत्यक्ष विषाक्त क्षति** पहुँचाता है।
    - **पौधों की पाले, सूखे और रोगजनकों** (जिनमें कीट और आक्रामक प्रजातियाँ शामिल हैं) के प्रति संवेदनशीलता में परिवर्तन होता है।
  - **स्वास्थ्य जोखिम:**
    - कम सांद्रता के संपर्क में लंबे समय तक रहने या उच्च सांद्रता के संपर्क में अल्पावधि रहने से **श्वसन के कारण स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।**
    - लक्षणों में **नाक, गले में जलन और श्वसन पथ में जलन शामिल हो सकती है।**

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

17 फरवरी 2025 को जयपुर में संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा **सम्मेलन** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - यह सम्मेलन गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित किया गया।
- **अतिथि:** मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल जबकि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे।
- इस सम्मेलन में केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों से लगभग **3000 लोगों ने भाग लिया।**
- सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को सम्मानित भी किया गया।
- **उद्देश्य:** इस सम्मेलन का उद्देश्य सरकारी विभागों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना था।

हिंदी भाषा के बारे में:

- **परिचय:**
  - **हिंदी** एक इंडो-आर्यन भाषा है, जो मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में बोली जाती है। यह **भारतीय संविधान** के अनुसार **भारत** की प्रमुख **राजभाषा** है और यह **भारतीय समाज, संस्कृति** और **साहित्य** में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है।
  - यह दुनिया की **तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा** है और यूनेस्को **महा सम्मेलन** की दस आधिकारिक भाषाओं में से एक है।
- **इतिहास: हिंदी** का विकास **संस्कृत** से हुआ है और इसे **भारतीय उपमहाद्वीप** में प्राचीन काल से बोला जाता है। समय के साथ, **हिंदी** ने **फारसी, अरबी** और **अंग्रेज़ी** भाषाओं से भी शब्द ग्रहण किये हैं, विशेषकर **मुग़ल साम्राज्य** और **ब्रिटिश शासन** के दौरान।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **लिपि: हिंदी** की लिपि **देवनागरी** है, जो **संस्कृत** की लिपि से विकसित हुई है। इसमें **11 स्वर** और **33 व्यंजन** होते हैं। **देवनागरी लिपि** का उपयोग न केवल **हिंदी** बल्कि कई अन्य भारतीय भाषाओं के लिये भी होता है।
- **भाषायी विविधता: हिंदी** भाषा में कई बोलियाँ हैं, जैसे कि अवधी, भोजपुरी, ब्रज, हरियाणवी, मारवाड़ी आदि।
- **विस्तार: हिंदी** न केवल **भारत** में, बल्कि **नेपाल**, **पाकिस्तान**, **मलेशिया**, **थाईलैंड**, **फिजी** और अन्य देशों में भी बोली जाती है।
- **संविधान में स्थान:** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत **हिंदी** को **संघ** की **आधिकारिक भाषा** के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, **हिंदी** को **आठवीं अनुसूची** में सूचीबद्ध 22 **अनुसूचित भाषाओं** में से एक माना गया है।

मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा

चर्चा में क्यों ?

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने गुजरात और राजस्थान राज्यों में मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की समीक्षा की।

मुख्य बिंदु

- समीक्षा में परियोजना निगरानी समूह (PMG) द्वारा सुगम अंतर-मंत्रालयी और राज्य समन्वय के माध्यम से मुद्दे के समाधान में तेज़ी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **जिनमें प्रमुख विषय निम्नलिखित हैं:**
  - DPIIT ने 14 महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं से संबंधित 21 मुद्दों की समीक्षा की।
  - गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क की ट्रांसमिशन परियोजनाओं पर महत्त्वपूर्ण रूप से ज़ोर दिया गया, जिससे सालाना 81 बिलियन यूनिट बिजली उत्पादन की उम्मीद है।
  - रिलायंस जियो की 5जी/4जी विस्तार परियोजना की भी समीक्षा की गई, जो तेज़ गति, कम विलंबता और व्यापक कवरेज जैसे लाभ प्रदान करती है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT)

- **स्थापना:**
  - उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग की **स्थापना वर्ष** 1995 में की गई थी तथा वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग को इसमें मिला दिया गया।
  - यह **अपने वर्तमान स्वरूप में 27 जनवरी 2019 को अस्तित्व में आया,** जब पूर्ववर्ती औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग का **नाम बदलकर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) कर दिया गया।**
- **उद्देश्य:**
  - यह विभाग राष्ट्रीय प्राथमिकताओं एवं सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिये प्रोत्साहन एवं विकासात्मक उपायों के निर्माण एवं कार्यान्वयन के लिये जिम्मेदार है।
  - यह देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्रवाह को सुविधाजनक बनाने और बढ़ाने के लिये भी ज़िम्मेदार है।
- यह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

18-19 फरवरी 2025 को राजस्थान के **उदयपुर में** दूसरा अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - यह सम्मेलन जल शक्ति मंत्रालय के तत्त्वाधान में आयोजित किया गया।
  - यह सम्मेलन जल प्रबंधन के प्रभावी उपायों को अपनाने, जल क्षेत्र की जटिलताओं को संबोधित करने और **जल सुरक्षा के दृष्टिकोण को साकार करने के लिये** अहम कदम है।
- **विषय:**
  - इस सम्मेलन का विषय था "**भारत@2047- जल सुरक्षित राष्ट्र**", जो प्रधानमंत्री के विकसित, जल-सुरक्षित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका मुख्य उद्देश्य टिकाऊ और **एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन** के लिये साझा दृष्टिकोण की दिशा में काम करते हुए राज्यों और हितधारक मंत्रालयों के साथ सहयोग को मज़बूत करना है।
- **प्रमुख केंद्रित विषय:**
  - जल प्रशासन को सुदृढ़ बनाना
  - जल भंडारण अवसंरचना और आपूर्ति में वृद्धि
  - पेयजल पर ध्यान केंद्रितत करते हुए जल वितरण सेवाएँ
  - सिंचाई और अन्य उपयोगों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए जल वितरण सेवाएँ
  - मांग प्रबंधन और जल उपयोग दक्षता
  - एकीकृत नदी और तटीय प्रबंधन

जल जीवन मिशन:

- **परिचय:**
  - वर्ष 2019 में शुरू किया गया यह मिशन वर्ष 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर जल की आपूर्ति की परिकल्पना करता है।
  - जल जीवन मिशन पेयजल हेतु एक जन आंदोलन बनना चाहता है, जिससे यह हर किसी की प्राथमिकता बन जाए।
  - यह जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
- **लक्ष्य:**
  - इस मिशन का लक्ष्य मौजूदा जल आपूर्ति प्रणालियों एवं जल कनेक्शन, जल गुणवत्ता निगरानी और परीक्षण के साथ-साथ सतत् कृषि की कार्यक्षमता सुनिश्चित करना है।
  - यह संरक्षित जल के संयुक्त उपयोग को सुनिश्चित करता है। इसके साथ ही यह पेयजल स्रोत में वृद्धि, **पेयजल आपूर्ति प्रणाली,** ग्रे जल उपचार और पुन: उपयोग को भी सुनिश्चित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025

SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस

SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स

SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप

SCAN ME

नोट :

- **विशेषताएँ:**
  - जल जीवन मिशन स्थानीय स्तर पर जल की एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - **वर्षा जल संचयन**, **भूजल पुनर्भरण** और पुन: उपयोग के लिये **घरेलू अपशिष्ट जल** के प्रबंधन जैसे अनिवार्य तत्त्वों के रूप में सतत् उपायों हेतु स्थानीय बुनियादी ढाँचे का निर्माण अन्य सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं के साथ अभिसरण में किया जाता है।
  - यह मिशन जल के लिये सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है तथा मिशन के प्रमुख घटकों के रूप में व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार शामिल हैं।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत में 19 फरवरी 2025 को 10वाँ मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
  - इस दिवस का मुख्य उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य के महत्त्व और मृदा परीक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूक करना है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

- **परिचय**
  - इस योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री ने **19 फरवरी, 2015** को **राजस्थान के सूरतगढ़** में की थी।
  - इस योजना की थीम है: **स्वस्थ धरा, खेत हरा।**
- **उद्देश्य**
  - हर 2 वर्ष के अंतराल पर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित करना
  - किसानों को मृदा स्वास्थ्य और इसकी उर्वरता में सुधार के लिये आवश्यक निर्देश देना
  - पोषक तत्त्वों की उचित मात्रा के साथ-साथ किसानों को मिट्टी की पोषक स्थिति की जानकारी देना
  - मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं (STL) को सशक्त करना
  - राज्यों में मिट्टी की उर्वरता की समस्या का समाधान करना
  - सुधारात्मक उपाय प्रदान करना
- **पोर्टल**
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोर्टल देश भर में सभी प्रमुख भाषाओं और 5 बोलियों में एक समान और मानकीकृत प्रारूप में किसानों के लाभ के लिये मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने की सुविधा प्रदान करता है।
  - मृदा स्वास्थ्य कार्ड में 12 मापदंडों के संबंध में मिट्टी की स्थिति शामिल होती है, जैसे
    - मैक्रो पोषक तत्त्व: नाइट्रोजन (N), फास्फोरस (P), पोटेशियम (K)
    - द्वितीयक पोषक तत्त्व: सल्फर (S)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **सूक्ष्म पोषक तत्त्व:** जिंक (Zn), आयरन (Fe), कॉपर (Cu), मैंगनीज (Mn), बोरान (B)
- **भौतिक पैरामीटर:** pH, Electrical Conductivity (EC), Organic Carbon (OC)

- इसके आधार पर, कार्ड खेत के लिये आवश्यक उर्वरक अनुशंसाओं और मिट्टी संशोधन को भी बताता है।
- मिट्टी के नमूने आम तौर पर साल में दो बार लिये जाते हैं, क्रमशः रबी और खरीफ फसल की कटाई के बाद या जब खेत में कोई खड़ी फसल न हो।

राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2024-25

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये अपनी आर्थिक समीक्षा विधानसभा में प्रस्तुत की, जिसमें राज्य की आर्थिक स्थिति, विकास दर तथा विभिन्न योजनाओं एवं आंकड़ों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **समावेशी विकास के लिये दस संकल्प**
  - संशोधित बजट 2024-25 में "सबका साथ, सबका विकास-सभी के लिये समावेशी विकास" के सिद्धांतों पर आधारित समावेशी विकास के लक्ष्य प्रस्तुत किये गए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- ◆ इस सिद्धांत की परिकल्पना "अमृत कालखंड – विकसित राजस्थान @2047" के तहत पाँच वर्षीय कार्ययोजना के रूप में की गई है।
- ◆ इस कार्ययोजना में राज्य में लागू किये जाने वाले **10 संकल्प शामिल हैं**।

- **350 बिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था**
  - ◆ राजस्थान का लक्ष्य वर्ष **2029 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करना** है।
  - ◆ इसके लिये कृषि गतिविधियों में तकनीकी नवाचार, औद्योगिक उत्पादन का विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उपयोग करके पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

- **राजस्थान अर्थव्यवस्था एक नज़र में**
- प्रचलित कीमतों पर GSDP वर्ष 2024-25 में ₹17.04 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जो वर्ष 2023-24 में ₹15.22 लाख करोड़ से 12.02 प्रतिशत की वृद्धि को दर दर्शाता है।
- स्थिर (2011-12) कीमतों पर **GSDP** वर्ष 2023-24 में ₹8.41 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में ₹9.06 लाख करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है, जो 7.82 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।
- प्रचलित कीमतों पर वर्ष 2024-25 के लिये कृषि क्षेत्र जिसमें फसलें, पशुपालन, मत्स्य पालन और वानिकी शामिल हैं, जिसका GSVA में **26.92 प्रतिशत** योगदान है।
- औद्योगिक क्षेत्र में खनन, विनिर्माण, बिजली, गैस, जलापूर्ति और निर्माण शामिल हैं, जिसका GSVA में योगदान **27.16 प्रतिशत** का योगदान है।
- सेवा क्षेत्र जिसमें परिवहन, भंडारण और संचार, वित्तीय सेवाएँ, वास्तविक स्थिति, व्यवसाय सेवाएँ, सार्वजनिक प्रशासन और अन्य सेवाएँ शामिल हैं, जिसका GSVA में **45.92 प्रतिशत** के साथ सबसे बड़ा योगदान है।
- प्रति व्यक्ति आय, जो वर्ष 2024-25 में प्रचलित कीमतों पर गत वर्ष से 11.04 प्रतिशत बढ़कर ₹1,85,053 और स्थिर (2011-12) कीमतों पर 6.88 प्रतिशत बढ़कर ₹96,638 होने का अनुमान है।

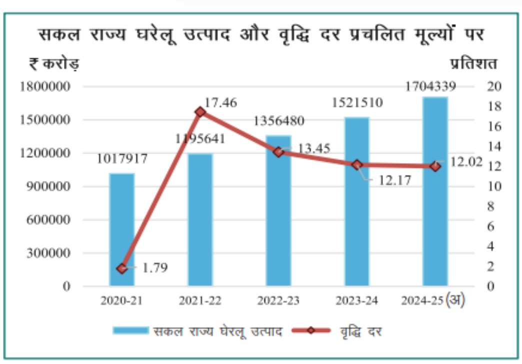

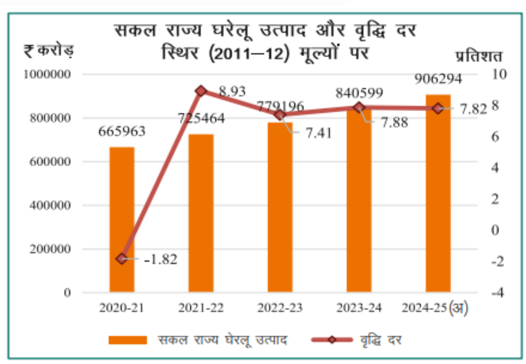

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

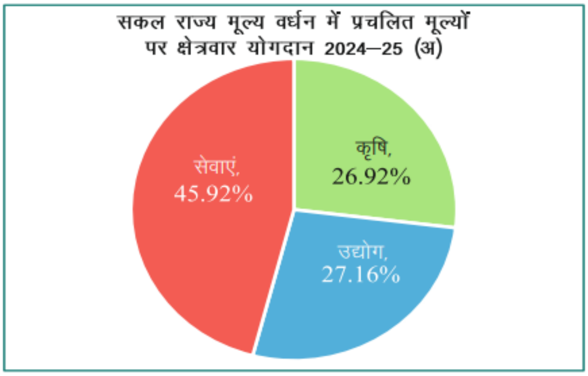

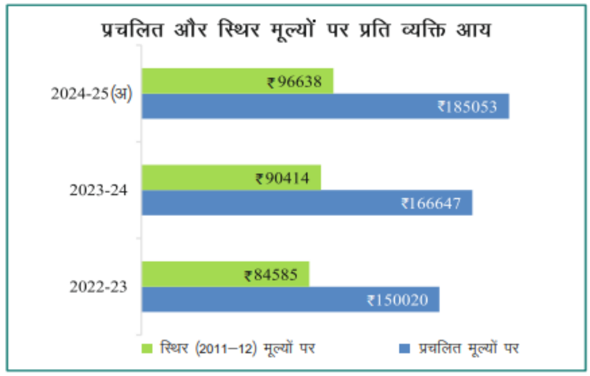

अ अग्रिम अनुमान

- **कृषि विकास एवं किसान कल्याण**
  - वर्ष 2024-25 में राज्य के सकल राज्य मूल्य वर्द्धन (GSVA) **में 26.92 प्रतिशत का** योगदान करती हैं। प्रचलित कीमतों पर वर्ष 2011-12 में GSVA ₹1.19 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में ₹4.23 लाख करोड़ हो गया है।
  - वर्ष 2024-25 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार **राज्य में** खाद्यान्न (अनाज एवं दालें) का कुल उत्पादन 267.67 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है, जो गत वर्ष की तुलना में 10.67 प्रतिशत अधिक है।
  - **तिलहन का उत्पादन वर्ष** 2024-25 में 96.17 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है, जो कि वर्ष 2023-24 के 101.22 लाख मीट्रिक टन की तुलना में 4.99 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।
  - **गन्ने का उत्पादन वर्ष** 2023-24 के 3.63 लाख मीट्रिक टन की तुलना में वर्ष 2024-25 में 4.40 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है, जो कि 21.21 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।
  - वर्ष 2024-25 में कपास का उत्पादन 18.45 लाख गाठें उत्पादित होने की संभावना है, जबकि वर्ष 2023-24 में यह उत्पादन 26.21 लाख गाठें था, जो कि 29.61 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।
  - वर्ष 2022-23 में **राजस्थान देश में राई एवं सरसों, बाजरा, कुल तिलहन, पोषक-अनाज और ग्वार जैसी फसलों के उत्पादन में प्रथम स्थान**, मूँगफली के उत्पादन में द्वितीय स्थान तथा ज्वार, चना, कुल दलहन एवं सोयाबीन के उत्पादन में तृतीय स्थान पर रहा है।
  - **मुख्यमंत्री बीज स्वावलंबन योजना:** इस योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 के दौरान खरीफ फसल के लिये विभिन्न फसलों के 19,836 क्विंटल बीज तथा रबी फसलों के लिये 42,000 क्विंटल बीज वितरित किये गए हैं।
  - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के तहत, वर्ष 2024-25 में योग्य किसानों के बीच ₹2,777 करोड़ के क्लेम वितरित किये गए है।
  - मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत, राज्य बजट 2024-25 की घोषणा अनुसार, राज्य सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाभान्वित किसानों को ₹2,000 प्रतिवर्ष की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, इसके लिये ₹1,400 करोड़ का आवंटन प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।
  - लघु और सीमांत किसानों **के लिये सम्मान पेंशन योजना** के तहत, 55 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला किसान तथा 58 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष किसान को ₹1,150 प्रति माह की पेंशन दी जा रही है। वर्ष 2024-25 (दिसंबर, 2024 तक) में इस योजना के तहत 2,09,530 लाभार्थकों को ₹246.64 करोड़ व्यय कर लाभान्वित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- '**राजस्थान कृषक समर्थन योजना**' के तहत, राज्य सरकार ने ₹125 प्रति क्विंटल की एमएसपी दर से ₹150.66 करोड़ बोनस राशि का भुगतान किया है।
- **PMKSY के सूक्ष्म-सिंचाई घटक** के तहत, 34,469 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर तथा 56,727 हेक्टेयर क्षेत्र को स्प्रिंकलर सिंचाई के लिये कवर किया गया है और इस योजना पर दिसंबर, 2024 तक ₹123.79 करोड़ खर्च किये गए हैं।

- **औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन**
  - राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में स्थिर (2011-12) कीमतों पर सकल राज्य मूल्य वर्द्धन (GSVA) वर्ष 2024-25 में 5.77 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।
  - उद्योग क्षेत्र से GSVA वर्ष 2011-12 में ₹1.36 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में ₹4.26 लाख करोड़ हो गया, जो प्रचलित कीमतों पर 9.17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) को दर्शाता है।
  - वर्ष 2024-25 में उद्योग क्षेत्र ने राजस्थान के GSVA में 27.16 प्रतिशत का योगदान दिया, जिसमें विनिर्माण क्षेत्र का प्रमुख योगदान रहा।
  - औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में 2021-22 में 122.34 से बढ़कर 2024-25 (नवंबर, 2024) में 157.31 हो गया है।
  - **राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS): राजस्थान निर्यात नीति-2024** का उद्देश्य निर्यातकों को लक्षित सहायता प्रदान करके राज्य की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देना है, जबकि **राजस्थान एमएसएमई नीति-2024** छोटे और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने, उनके विकास के लिये अनुकूल वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करती है। **राजस्थान एम-सैंड नीति-2024** एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य निर्माण कार्यों में नदी की रेत (बजरी) के स्थायी विकल्प के रूप में **निर्मित रेत (एम-सैंड) के उत्पादन** और उपयोग को बढ़ावा देना है।
  - राज्य में राइज़िंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए, जो आर्थिक विकास और निवेश के लिये राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - वर्ष 2023-24 में राजस्थान का निर्यात ₹83,704.24 करोड़ रहा, जिसमें इंजीनियरिंग वस्तुओं, रत्न और आभूषण, धातु, कपड़ा तथा हस्तशिल्प का योगदान 65 प्रतिशत से अधिक था।

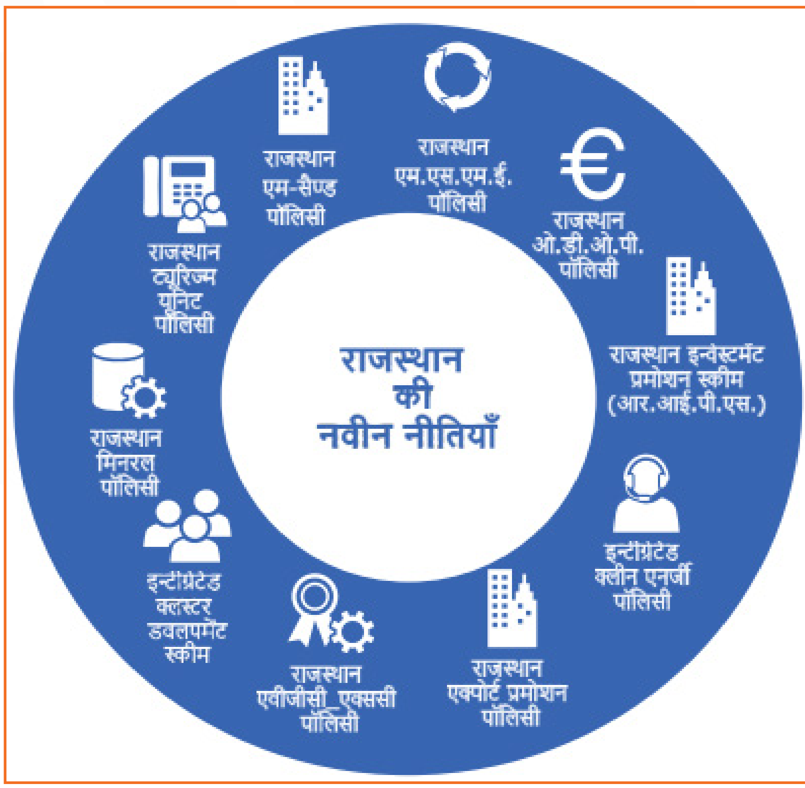

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बैंकिंग क्षेत्र का प्रदर्शन**
  - वित्तीय क्षेत्र, सितंबर 2024 तक 8,531 बैंक शाखाएँ कार्यरत हैं। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (4,271), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (1,593), निजी क्षेत्र के बैंक (2,093), लघु वित्त बैंक (564), विदेशी बैंक (7) और भुगतान बैंक (3) शामिल हैं।
  - राजस्थान में जमा में 11.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि ऋण–जमा अनुपात बढ़कर 86.92 प्रतिशत हो गया, जो राष्ट्रीय औसत 79.32 प्रतिशत से अधिक है।
- **परिवहन**
  - राजस्थान में सड़क नेटवर्क (2024)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

    - कुल सड़क नेटवर्क: 3,17,121 किमी
    - सड़क घनत्व: 100 वर्ग किमी में 92.66 किमी
    - सड़कों से जुड़े गाँव: 39,408
    - **राजमार्ग उन्नयन:** 47 राष्ट्रीय राजमार्गों और 23 राज्य राजमार्गों को उच्च गति की यात्रा के लिये उन्नत किया जा रहा है।
  - **निवेश और विकास:**
    - सड़क विकास बजट: अगले पांच वर्षों में 60,000 करोड़ रुपए ।
    - 2024-25 के लिये 11,986 करोड़ रुपए आवंटित।
    - दिसंबर 2024 तक 10,705 करोड़ रुपए का उपयोग किया जाएगा।
    - राष्ट्रीय राजमार्ग विकास: एनएचडीपी और भारतमाला परियोजना के तहत 845.32 किमी में 15,920 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।
  - **राजमार्ग और सड़क वितरण**
    - राष्ट्रीय राजमार्ग: 10,790 किमी
    - राज्य राजमार्ग: 17,376 किमी
    - ग्रामीण सड़कें: 2,06,318 किमी
- **जलापूर्ति**
- **राजस्थान में सतही जल संसाधन:**
  - **इंदिरा गांधी नहर परियोजना:** 5,719 गाँवों और 39 कस्बों को पानी उपलब्ध कराती है।
  - **चंबल नदी:** 4,899 गाँवों और 29 कस्बों को पानी उपलब्ध कराती है।
  - **नर्मदा नदी:** 902 गाँवों और 3 कस्बों को पानी उपलब्ध कराती है।
  - **बीसलपुर बांध:** 3,109 गाँवों और 22 कस्बों को पानी उपलब्ध कराता है।
  - **जवाई बांध:** 811 गाँवों और 10 कस्बों को पानी उपलब्ध कराता है।
- **शहरी और ग्रामीण जलापूर्ति पहल**
  - अमृत 2.0: 1 अक्टूबर, 2021 को लॉन्च किया गया, जिसका लक्ष्य 2025-26 तक **"हर घर नल" के** तहत सभी घरों को पीने का पानी उपलब्ध कराना है।
  - निवेश: 183 शहरी स्थानीय निकायों में जलापूर्ति परियोजनाओं के लिये 5,123.06 करोड़ रुपए स्वीकृत।
- **जल अवसंरचना विकास (2024-25)**
  - **ट्यूबवेल स्थापित:** ग्रामीण क्षेत्रों में 1,012।
  - ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंप: 1,268। मरम्मत किये गए हैंडपंप: सितंबर 2024 तक 1,64,684। पेयजल उपलब्ध कराया गया: 15,417 गाँव/बस्तियां
- **बिजली**
  - दिसंबर, 2024 तक राज्य में बिजली की स्थापित क्षमता 26,325.19 मेगावाट है। राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर (5,482.66 मेगावाट) और पवन (4,414.12 मेगावाट) में अग्रणी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ◆ दिसंबर, 2024 तक राज्य का कुल **एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज** (EHV) ट्रांसमिशन नेटवर्क 44,638 सर्किट किलोमीटर है। 100 प्रतिशत ग्रामीण विद्युतीकरण हासिल करने के साथ-साथ राज्य ने दिसंबर, 2024 तक 43,965 गाँवों, 1.14 लाख ढाणियों और 108.09 लाख ग्रामीण घरों का विद्युतीकरण किया है।
- ◆ मार्च, 2024 में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 190.61 लाख से बढ़कर दिसंबर, 2024 में 196.22 लाख हो गई है, जो कि 2.94 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।
- ◆ वर्ष 2024-25 में दिसंबर, 2024 तक कुल 72,373 कृषि कनेक्शन एवं ₹22,755.22 करोड़ की टैरिफ सब्सिडी किसानों को उपलब्ध कराई गई है।

- **जीवन की गुणवत्ता-नागरिक सुविधाएँ**
  - ◆ जयपुर मेट्रो का चरणबद्ध विस्तार, जिसमें कुल ₹18,000 करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है।
  - ◆ वर्ष 2024-25 के दौरान माह दिसंबर, 2024 तक जयपुर विकास प्राधिकरण ने पूंजीगत व्यय के रूप में ₹913.34 करोड़ तथा कोटा विकास प्राधिकरण ने विकास कार्यों के लिये ₹420.11 करोड़ की राशि व्यय की है।
  - ◆ छोटे और मध्यम शहरों के लिये **शहरी बुनियादी ढाँचा विकास योजना** (UIDSSMT) के तहत 12 शहरों में 11 सीवरेज परियोजनाओं और 1 जलापूर्ति परियोजना सहित कुल 12 परियोजनाओं को ₹646.24 करोड़ की राशि मंज़ूर की गई है।
  - ◆ **राजस्थान में चार शहरों—जयपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में** विकसित करने के लिये चुना गया था। दिसंबर, 2024 तक इस योजना के तहत ₹3,820 करोड़ की प्राप्त राशि के मुकाबले कुल ₹3,740.30 करोड़ खर्च किये जा चुके हैं।
  - ◆ राज्य में **प्रधानमंत्री आवास योजना** (शहरी) के तहत कुल 2,88,550 मकान स्वीकृत किये गए हैं। इनमें से 1,96,700 मकान पूरे हो चुके हैं और 73,603 मकान निर्माणाधीन हैं।
  - ◆ विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू भूखंड/पट्टा आवंटन अभियान: 2 अक्तूबर, 2024 को राज्य सरकार ने विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू श्रेणियों के बेघर परिवारों को 17,156 भूखंड/पट्टे आवंटित किये।
  - ◆ **आपदा प्रबंधन:** राजस्थान की आपदा प्रबंधन रणनीति के अंतर्गत **राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF)** दिसंबर, 2024 तक ₹4,408.38 करोड़ की थी। इस निधि का उपयोग कृषि सब्सिडी, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मरम्मत और शमन उपायों, जैसे 2,130 पोर्टेबल लाइटिंग डिवाइसेस और लाइटिंग अर्रेस्टर की स्थापना के लिये किया जाता है।

- **पर्यटन, कला एवं संस्कृति प्रोत्साहन**
  - ◆ वर्ष 2024 के दौरान राजस्थान में कुल 2.321.56 लाख (2,300.84 लाख घरेलू और 20.72 लाख विदेशी) पर्यटन भ्रमण हुए है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिये जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर और अजमेर जैसे प्रमुख ज़िले शीर्ष गंतव्य बने हुए हैं।
  - ◆ राजस्थान पर्यटन इकाई नीति (RTUP) 2024 को 4 दिसंबर, 2024 को राज्य में लागू किया गया है। इस नीति का उद्देश्य पर्यटन से जुड़े निवेशकों और उद्यमियों को अधिक लाभ प्रदान करना तथा निजी क्षेत्र में नई पर्यटन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करके रोज़गार और उद्यमिता के अवसर सृजित करना है।
  - ◆ **निवेश और रोज़गार:** वर्ष 2024-25 में दिसंबर, 2024 तक ₹3,599.23 करोड के निवेश और लगभग 12,000 व्यक्तियों के संभावित रोज़गार वाली 259 पर्यटन इकाइयों की परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई है।
  - ◆ **कलात्मक प्रयास और विरासत संरक्षण: पुरातत्त्व और संग्रहालय विभाग** राज्य की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने, 345 संरक्षित स्मारकों तथा **43** पुरातात्त्विकक स्थलों का प्रबंधन करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो पर्यटकों को आकर्षित एवं राजस्व उत्पन्न करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कौशल, विपणन और सुरक्षा पहल:** राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज़्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (RTTMAN) की स्थापना और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य के आतिथ्य उद्योग के लिये एक कुशल कार्यबल विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

- **सतत् विकास और हरित विकास**
  - एस.डी.जी. इंडिया इंडेक्स में राजस्थान का समग्र एस.डी.जी. स्कोर वर्ष 2020-21 के 60 से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 67 रहा है, जिससे राज्य की स्थिति परफॉर्मर से फ्रंट रनर श्रेणी में हो गई है।
  - राजस्थान एस.डी.जी. सूचकांक का नवीनतम 5वाँ संस्करण 14 लक्ष्यों के 95 संकेतकों के आधार पर बनाया गया है। इस सूचकांक में 66.44 स्कोर के साथ **झुंझुनू ज़िला शीर्ष पर** तथा नागौर एवं सीकर ज़िले क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे हैं।
  - राजस्थान की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024, वर्ष 2029-30 तक 125 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।
  - पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दिसंबर, 2024 तक 22,657 उपभोक्ताओं के लिये 111.77 मेगावाट सौर रूफटॉप क्षमता स्थापित की गई है।
  - राज्य में हरित विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ है- राजस्थान ई-वेस्ट मैनेजमेंट नीति-2023, राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024, राजस्थान इलेक्ट्रिक वाहन नीति (RIGP) 2022, जलवायु परिवर्तन नीति-2023 आदि।

- **मानव संसाधन विकास और सबके लिये स्वास्थ्य**

- **शिक्षा**
  - शिक्षा प्रणाली में राज्य में 45,531 राजकीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय और 19,739 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं। राज्य में 569 राजकीय कॉलेज, 1,615 निजी कॉलेज और 956 बी.एड. महाविद्यालयों के साथ-साथ 1,942 तकनीकी संस्थान कार्यरत हैं।
  - शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थी नामांकन प्राथमिक शिक्षा में 24.30 लाख और माध्यमिक शिक्षा में 52.46 लाख तक पहुँच गया।
  - शिक्षक-छात्र अनुपात प्राथमिक विद्यालयों के लिये 14:1 और माध्यमिक विद्यालयों के लिये 22:1 है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के मानक 30:1 से बेहतर है। स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल और पीएम श्री स्कूल जैसी पहल ने शैक्षिक पहुँच को बढ़ाया है।
  - लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने के लिये, राजस्थान ने 342 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) स्थापित किये हैं, जिनमें 43,543 से अधिक छात्राएँ नामांकित हैं और 23,100 मेधावी छात्रों को मुफ्त टैबलेट वितरित किये गए हैं। 4,155 व्यावसायिक स्कूलों के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण का विस्तार हुआ है, जिससे 3.25 लाख छात्र लाभान्वित हुए हैं।
  - **चिकित्सा शिक्षा में राजस्थान में 43 मेडिकल कॉलेज हैं** और 2024-25 में पाँच नए कॉलेज जोड़े गए, जिससे यूजी (MBBS) पाठ्यक्रमों के लिये सरकारी महाविद्यालयों में MBBS सीटें बढ़कर 4,330 और निजी महाविद्यालयों में 2,050 हो गई है।

- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य**
  - दिसंबर, 2024 तक राजस्थान में चिकित्सा और उपचार तक बेहतर पहुँच के लिये 6.20 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) आईडी जारी किये गए हैं और इलाज के साथ 88.67 लाख से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स इन आई.डी. के साथ लिंक किये गए हैं।
  - राजस्थान डिजिटल स्वास्थ्य मिशन द्वारा सुव्यवस्थित स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के लिये रोगी रिकॉर्ड को डिजिटल बनाया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वर्ष 2024-25 में **मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) योजना** ने कैशलेस उपचार के लिये पंजीकृत 1.33 करोड़ परिवारों को कवर किया, जहाँ सरकार ने कुल ₹1,675 करोड़ खर्च किये।
- **मुख्यमंत्री निशुल्क निरोगी राजस्थान योजना** के तहत वर्ष 2024-25 (दिसंबर, 2024 तक) के दौरान 14.93 करोड़ मरीज़ लाभान्वित हुए, जिन पर ₹1,221.76 करोड़ खर्च हुए।
- **राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (RGHS) में** सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, विधायकों और पूर्व विधायकों सहित 13.65 लाख परिवारों को शामिल किया गया तथा वर्ष 2024-25 के दौरान 130.72 लाख स्वास्थ्य देखभाल दावों के लिये ₹2,370.82 करोड़ खर्च किये गए।
- **शिशु मृत्यु दर (IMR)** प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 41.3 (NFHS-4) से घटकर 30.3 (NFHS-5) हो गई है, जो बाल स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि को दर्शाता है। कुल प्रजनन दर (TRF) 2.4 से गिरकर 2.0 हो गई है, जिससे जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रगति हुई है।
- मातृ स्वास्थ्य परिणामों में भी सुधार देखा गया, मातृ मृत्यु अनुपात प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 141 (SRS 2017-19) से घटकर 113 (SRS 2018-20) हो गया है।

* **रोज़गार**
  - आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के अनुसार वर्ष 2022-23 में बेरोज़गारी दर 4.9 प्रतिशत थी जो कि जुलाई 2023 से जून 2024 में घटकर 4.7 प्रतिशत रह गई, यह नौकरी के अवसरों में वृद्धि को दर्शाता है।
  - राजस्थान में दिसंबर, 2024 तक 1,43,32,020 असंगठित श्रमिकों का इस पोर्टल पर पंजीकरण हो चुका है।
  - वर्ष 2024-25 में (12 जनवरी, 2025 तक) राज्य में विभिन्न पदों पर 59,236 नियुक्तियाँ प्रदान की गई है तथा 1,72,990 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।
  - **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGNREGS)** के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 (दिसंबर तक) के दौरान कुल ₹7,676.98 करोड़ खर्च किये गए हैं और 53.28 लाख परिवारों को रोज़गार प्रदान करके 2,309.72 लाख मानव दिवस सृजित किये गए हैं। 1.27 लाख परिवारों ने 100 दिन का रोज़गार पूरा कर लिया है।
  - दिसंबर, 2024 तक मुख्यमंत्री शहरी रोज़गार गारंटी योजना के तहत 6.53 लाख परिवारों का पंजीकरण किया जा चुका है। वर्ष 2024-25 में 1.83 लाख परिवारों को कार्य आवंटित किया गया। दिसंबर, 2024 तक 86.48 लाख मानव दिवस श्रम सृजित किया गया है।
* **सामाजिक सुरक्षा**
  - राजस्थान ने वर्ष 2020-21 से वर्ष 2023-24 के बीच सामाजिक क्षेत्र में **सतत् विकास** लक्ष्यों के कई प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार किया है। राज्य ने "गरीबी का अंत" (लक्ष्य-1) में उल्लेखनीय सुधार किये हैं, जिसमें 19 अंकों की वृद्धि हुई है, जो गरीबी कम करने के प्रति राज्य की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - **"भुखमरी समाप्त करना" (लक्ष्य-2) में 11 अंकों की वृद्धि हुई है,** जो खाद्य सुरक्षा में सुधार को दर्शाता है। अच्छा स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना (लक्ष्य-3), **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** (लक्ष्य-4), **लैंगिक समानता** (लक्ष्य-5), **शुद्ध जल एवं स्वच्छता** (लक्ष्य-6) तथा असमानताओं में कमी (लक्ष्य-10) के क्षेत्रों में भी क्रमशः 3, 3, 13, 6 और 4 अंकों की वृद्धि के साथ राज्य ने प्रगति की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

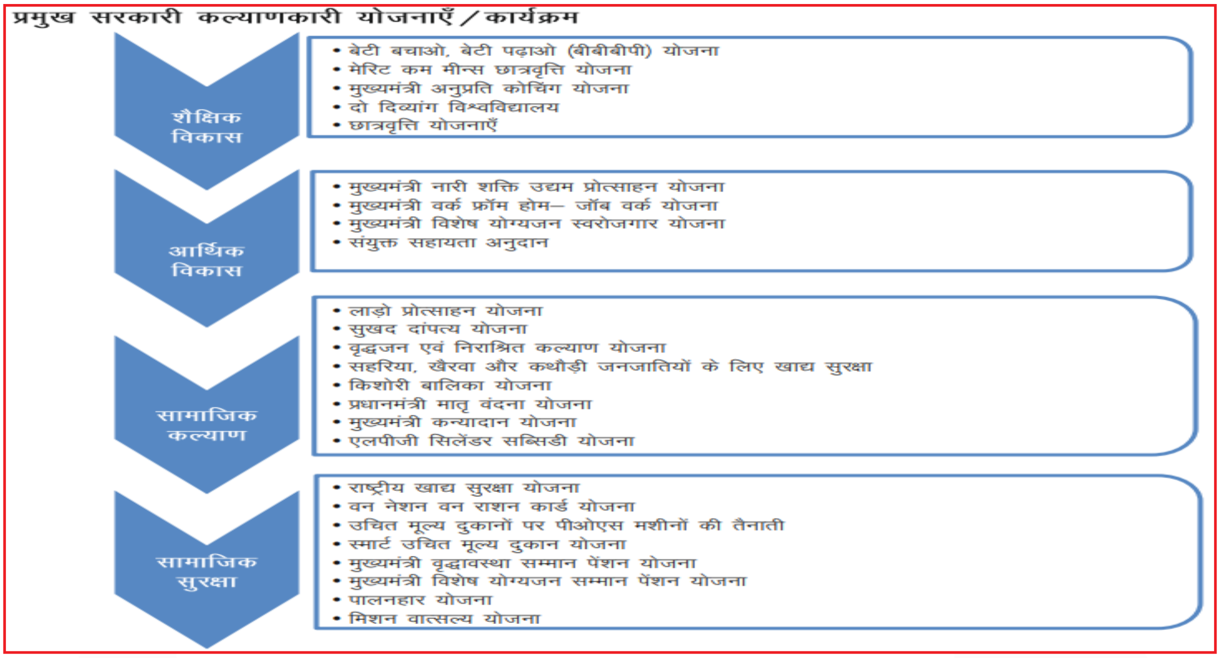

- **सुशासन**
  - नागरिक-केंद्रित सेवा प्रदायगी: यह एक व्यापक डेटा भंडार और DBT पोर्टल है, जो 175 से अधिक योजनाओं और सेवाओं को एकीकृत करता है तथा अब तक ₹78,300 करोड़ से अधिक के लेन-देन को सुगम बना चुका है।
  - 1 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2024 तक प्राप्त एवं निस्तारित शिकायतों की प्रगति है-
    - ज़िला स्तर पर कुल 23,663 परिवाद दर्ज किये गये हैं, इनमें से 23,422 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है।
    - उपखंड स्तर पर कुल 34,006 परिवाद दर्ज किये गये हैं, इनमें से 33,981 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है।
    - ग्राम पंचायत स्तर पर कुल 1,83,419 परिवाद दर्ज किये गये हैं, इनमें से 1,83,275 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है।
  - राजस्थान में प्रशासनिक सुधार के लिये समावेशिता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये निम्नानुसार कार्य किये जा रहे हैं:-
    - राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी (RGDPS) अधिनियम, 2011: समय पर सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करना।
    - सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005: सूचना तक पहुँच के लिये ऑनलाइन आवेदन की सुविधा प्रदान करना।
  - सुशासन के लिये वित्तीय प्रबंधन: राज्य ने **एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली** (IFMS) के माध्यम से अपने वित्तीय प्रशासन में उल्लेखनीय कार्य किया है, जो बजट, लेखांकन और वित्तीय संचालन को एकीकृत करता है।

राजस्थान बजट 2025-26

चर्चा में क्यों ?

19 फरवरी, 2025 को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री ने राजस्थान बजट 2025-26 विधानसभा में पेश किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **बजट के बारे में:**
  - **यह पहला ग्रीन थीम आधारित बजट है, जिसमें ग्रामीण विकास, बुनियादी ढाँचे और नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष ज़ोर दिया गया है।**
  - बजट में **महिलाओं, किसानों और युवाओं** की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएँ बनाई गई हैं।

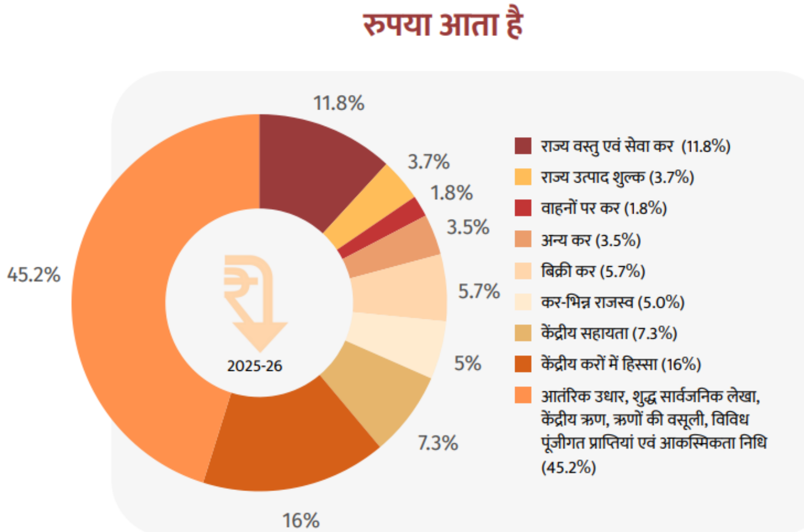

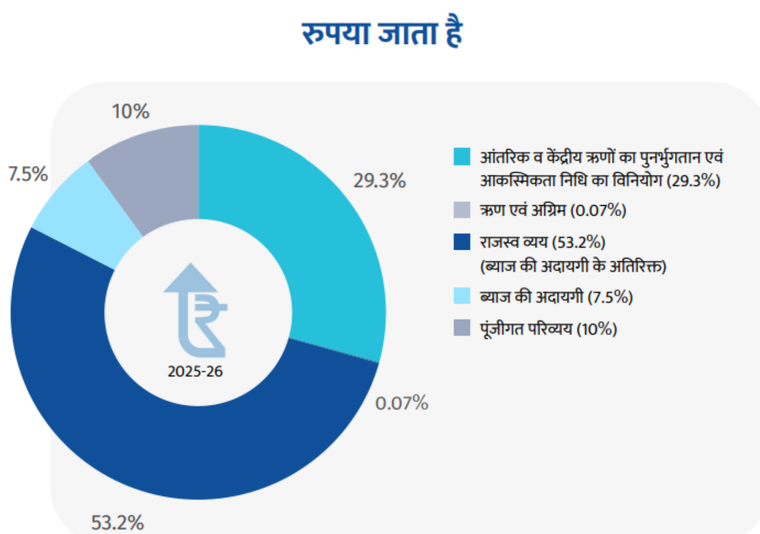

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

- **मुख्य घोषणाएँ:**
  - **पेयजल:**
    - आगामी वर्ष में बीस लाख घरों में कनेक्शन देने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेय**जल हेतु 425 करोड़ का प्रावधान।**
    - **मुख्यमंत्री** जल जीवन मिशन (शहरी) की शुरुआत की गई है जिसके तहत 5830 करोड़ का प्रावधान।
  - **ऊर्जा:**
    - आगामी वर्ष में 6400 मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन करना।
    - 50 हज़ार नए कृषि कनेक्शन और **पाँच लाख घरेलू कनेक्शन** देना।
    - 765KV का एक, 400KV के पाँच, 220KV के 13 और 132KV के 28 और 33/11KV के 133 जीएसएस बनेंगे।
    - आगामी वर्ष में निजी क्षेत्र के माध्यम से 10 गीगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा।
    - मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना के तहत 150 यूनिट प्रति माह बिजली निशुल्क दी जाएगी।
  - **परिवहन विकास:**
    - सड़कों के विकास के लिये 5000 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य किये जाएंगे।
    - नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर 60000 करोड़ रूपए खर्च होंगे।
    - प्रत्येक विधानसभा में 10-10 करोड़ रूपए से नॉन पैवेबल सड़क कार्य होंगे।
    - 5 हज़ार से अधिक आबादी वाले 250 गाँवों में 500 करोड़ की लागत से 'अटल प्रगति पथ' बनेंगे।
    - 500 नई रोडवेज बसें जीसीसी मॉडल पर उपलब्ध कराई जाएंगीं, साथ ही शहरी क्षेत्रों के लिये 500 बसें राजकीय शहरी ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगीं।
    - **जयपुर मेट्रो:** 12000 करोड़ की लागत से **सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अंबावाड़ी एवं विद्याधरनगर (टोडी मोड़ तक) विस्तार होगा,** इसके साथ ही जगतपुरा, वैशाली नगर के लिये डीपीआर बनेंगी।
    - '**पंचगौरव योजना**' के अंतर्गत 550 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - स्वामित्त योजना में 2 लाख परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे।
    - मनरेगा के अंतर्गत 3400 लाख मानव दिवसों का सृजन किया जाएगा।
    - जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधार में 250 करोड़ खर्च होगे। इसके अलावा जयपुर में बने बीआरटीएस कोरिडोर को हटाया जाएगा।
    - डांग, मगरा, मेवात एवं ब्रिज क्षेत्रीय विकास योजनओं हेतु 100-100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - **दिल्ली-जयपुर, जयपुर-आगरा और जयपुर-कोटा हाईवे** पर सड़क सुधार कर '*Zero Accident Zones*' का निर्माण।
    - 20 ट्रॉमा सेंटर्स का PPP मोड में सुदृढ़ीकरण हेतु ₹50 करोड़ का प्रावधान।
    - 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की सुविधा।
  - **नगरीय विकास:**
    - **पार्किंग, रिनोवेशन, रेजीडेंशियल फ्लैट, बस स्टैंड आदि के विस्तार एवं विकास के** लिये 780 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - 7 वर्षो की अवधि की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के लिये 12050 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
    - प्रदेश के समस्त शहरों में 50 हज़ार स्ट्रीट लाइट लगाये जाएंगे।
    - 500 पिंक टॉयलेट्स के निर्माण हेतु 175 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
    - 30 नगर परिषदों में **Mechanised Transfer Stations** की स्थापना की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **औद्योगिक विकास:**
  - औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु 'Single Window–One Stop Shop' के माध्यम से ऑनलाइन अनुमतियों की संख्या बढ़ाकर 149 करना।
  - विभागों के लिये **Competitive Index** लागू होगा। **Rising Rajasthan** के MoUs को प्रभावी बनाने हेतु PMU गठित किया जाएगा। Flatted Factory की व्यवस्था लागू। **Plug and Play Model** के तहत औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा।
  - सेवा क्षेत्र में निवेश के लिये **Global Capability Centre** (GCC) Policy और व्यापार संवर्धन हेतु Rajasthan Trade Promotion Policy लागू होगी।
  - औद्योगिक पार्कों के विकास में कोटा में टॉय पार्क, निम्बाहेड़ा–चित्तौड़गढ़ व बूंदी में स्टोन पार्क, सोनियाणा–चित्तौड़गढ़ में सेरामिक पार्क, DMIC के तहत फार्मा पार्क, भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क का विस्तार तथा सांगानेर–जयपुर में ब्लॉक प्रिंटिंग ज़ोन स्थापित किये जाएंगे।
  - 18 नए औद्योगिक क्षेत्रों के आधारभूत विकास हेतु ₹150 करोड़ का प्रावधान। निजी औद्योगिक पार्कों में CETP के लिये सहायता दी जाएगी। **DMIC (Delhi Mumbai Industrial Corridor) से जुड़े दो लॉजिस्टिक पार्क बनाए जाएंगे** और PM Gati Shakti अपडेट सिस्टम विकसित किया जाएगा।
- **पर्यटन, कला एवं संस्कृति:**
  - पर्यटन विकास के लिये ₹975 करोड़ रुपए का प्रावधान।
  - जयपुर में **IIFA Awards** आयोजन। Heritage Tourism के तहत 10 Iconic Tourist Destinations विकसित किये जाएंगे, जबकि Night Tourism को बढ़ावा देने हेतु ₹100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
  - ऐतिहासिक कलात्मक हवेलियों का **शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना** एवं **Heritage Walk** के तहत संरक्षण कार्य किये जाएंगे। जयपुर अल्बर्ट हाल म्यूजियम के उन्नयन के लिये ₹25 करोड़ रुपए का प्रावधान।
  - आदिवासी पर्यटन हेतु ₹100 करोड़ रुपए से Tribal Tourist Circuit विकसित होगा।
  - Flying Training Organisation (FTO) **प्रतापगढ़, झालावाड़ा एवं झुंझुनू में की स्थापना। जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में Hop-on-Hop-off बस सेवा।**
  - विभिन्न मंदिरों के उन्ननयन हेतु ₹101 करोड़ का प्रावधान, मंदिरों में भोग राशि ₹3,000 प्रतिमाह और पुजारियों का मानदेय ₹7,500 प्रतिमाह किया गया।
- **युवा विकास एवं कल्याण:**
  - **राजस्थान रोज़गार नीति-2025** लाने की घोषणा।
  - 500 करोड़ का 'विवेकानंद रोज़गार सहायता कोष' की स्थापना होगी।
  - आगामी वर्ष में 1.25 लाख पदों पर भर्तियां होगी। निजी क्षेत्र में लाख 1.50 लाख युवाओं को रोज़गार दिया जाएगा।
  - 'विश्वकर्मा युवा उधमी प्रोत्साहन योजना' का शुभारंभ होगा। युवाओं को ₹2 करोड़ तक के ऋण पर 8% ब्याज अनुदान एवं 5 लाख युवाओं को मार्जिन मनी सहायता।
  - प्रत्येक संभाग में **उन्नत कौशल और कैरियर परामर्श केंद्र** की स्थापना।
  - जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में वैदिक गुरुकुल एवं वैदिक पर्यटन केंद्रों की स्थापना की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रशिक्षकों को भूमि आवंटित की जाएगी।
- उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर एवं अजमेर संभाग में पैरास्पोर्ट्स के लिये स्पेशल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनेंगे।

◆ **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य:**

- आमजन को नि:शुल्क जाँच व दवा हेतु ₹3,500 करोड़ का '**MAA कोष**' का गठन। MAA योजना में Interstate Portability लागू।
- 70 वर्ष से अधिक वृद्धजनों को घर पर नि:शुल्क दवा। सभी ज़िला चिकित्सालयों में Diabetic Clinics स्थापित। TB मुक्त प्रदेश हेतु CHC पर Digital X-ray, TRU-NAAT व CB-NAAT मशीनों की उपलब्धता होगी।
- HIV संक्रमित व जोखिमग्रस्त महिलाओं की Cervical Cancer जाँच।
- नि:शुल्क नेत्र जाँच व ऑपरेशन हेतु MAA नेत्र वाउचर योजना लागू।
- 148 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (UAAM) स्थापित होंगे।
- बीकानेर चिकित्सालय में **Vitreo Retina Surgery Unit** का उन्नयन।
- जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा में 120-बेड क्षमता के स्पाइनल इंजरी सेंटर की क्षमता में वृद्धि।
- कोटा मेडिकल कॉलेज में कैंसर यूनिट व कॉटेज वार्ड हेतु ₹195 करोड़।
- प्रत्येक संभाग मुख्यालयों पर **अल्ट्रा एडवांस्ड बर्न केयर सेंटर** की स्थापना।
- **राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (RIMS)** जयपुर उन्नयन हेतु ₹500 करोड़; 750 चिकित्सक व 1,500 पैरामेडिकल पद सृजित किये जाएंगे।
- 'Fit Rajasthan' अभियान हेतु ₹50 करोड़ प्रावधान; आहार में तेल की मात्रा 10% घटाने पर ज़ोर।
- **नवीन आयुष नीति:** गाँवों को आयुष्मान आरोग्य ग्राम घोषित कर ₹11 लाख प्रोत्साहन।
- 7 ज़िलों (हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, पाली, सिरोही, चितौड़गढ़ एवं डूंगरपुर) में खाद्य प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी।

◆ **सामाजिक सुरक्षा:**

- सामाजिक सुरक्षा के तहत मिलने वाली पेंशन अब 1250 रूपए प्रतिमाह होगी।
- असंगठित श्रमिकों के लिये **Gig and Unorganised Workers Fund** में ₹350 करोड़ का प्रावधान।
- बालिकाओ को 35 हज़ार स्कूटी वितरण का प्रावधान।
- प्रत्येक ब्लॉक में उच्च माध्यमिक विद्यालय या महाविद्यालय में 'रानी लक्ष्मीबाई केंद्र' स्थापित होगा।
- **लखपति दीदी** श्रेणी में 20 लाख महिलाओं को लाने का लक्ष्य।
- घुमंतू समुदायों के लिये '**दादूदयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना**' शुरू।
- अनुजा., ओबीसी व अल्पसंख्यक निगम ऋणों के लिये **वन टाइम सेटलमेंट योजना (OTSS)**।
- 5 हज़ार उचित मूल्यों की दुकानों पर 'अन्नपूर्णा भंडार' की स्थापना।
- गर्भवती महिलाओ को अतिरिक्त पोषण हेतु मुख्यमंत्री सुपोषण Nutri-Kit योजना लागू।

◆ **कानून व्यवस्था तथा सुशासन:**

- '**राजस्थान नागरिक सुरक्षा अधिनियम**' के तहत Surveillance एवं सुरक्षा तंत्र सुदृढ़ीकरण।
- **2 वर्षों में:** पुलिस को **1,000 वाहन** एवं **3,500 नवीन पद** सृजित।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **Sardar Patel Centre for Cyber Control and War-Room** की स्थापना पर ₹350 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- विचाराधीन बंदियों की पेशी हेतु **400 Video Conference (VC) Nodes** की स्थापना।
- **7 केंद्रीय कारागृहों** में अवैध मोबाइल सिग्नल रोकने हेतु **T-HCBS प्रणाली की स्थापना**।
- सजायाप्ता बंदियों के लिये **न्यूनतम मजदूरी** का प्रावधान।
- **अजमेर कारागर प्रशिक्षण संस्थान** का उन्नयन।
- **अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय:** शाहपुरा (जयपुर), रिंगस (सीकर)।
- **पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय:** रायपुर–ब्यावर, खाटूश्यामजी (सीकर)।
- **8 नए साइबर पुलिस थाने** स्थापित करने का प्रावधान।
- आगामी वर्ष में 3 हज़ार से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों में '**अटल ज्ञान केंद्र**' स्थापित होंगे।
- **अंबेडकर संविधान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान** की स्थापना।
- विभागीय कार्यों के डिजिटलीकरण व पेपरलेस प्रणाली हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों को टैबलेट्स हेतु ₹250 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- ₹400 करोड़ से आधुनिक RajNET 2.0 प्रणाली लागू। **RajNET 2.0 से** कनेक्टिविटी क्षमता में दोगुनी वृद्धि।
- आपदा रिकवरी डेटा सेंटर जोधपुर में स्थापित होगा।
- ब्रह्मगुप्त फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज सेंटर हेतु ₹300 करोड़ का प्रावधान।
- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विधायक जनसुनवाई केंद्र स्थापित होगा।
- नए 8 ज़िलों में ज़िला स्तरीय कार्यालयों हेतु ₹1,000 करोड़ का प्रावधान।

◆ **कार्मिक कल्याण:**

- सभी मानदेय कर्मियों के मानदेय में आगामी वर्ष 10% वृद्धि।
- NFSA डीलरों के कमीशन में 10% वृद्धि।
- न्यायिक सेवा के पेंशनर्स को 70 वर्ष की आयु पर 5% अतिरिक्त भत्ता।
- सरकारी कर्मचारियों को **1 अप्रैल 2024 से बढ़ी हुई Gratuity का लाभ मिलेगा।**
- पत्रकार कल्याण राशि 1 लाख से बढ़कर 3 लाख रुपए किया गया।
- पत्रकारों को Exposure Tour की सुविधा उपलब्ध।

◆ **कृषि बजट:**

- **राम जल सेतु लिंक परियोजना** के लिये ₹9,300 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- **मनोहरथाना सिंचाई परियोजना** हेतु ₹2,250 करोड़ का प्रावधान।
- **धौलपुर लिफ्ट परियोजना** एवं कालीतीर परियोजनाओं के लिये ₹950 करोड़ रुपए का प्रावधान।।
- 100 एनिकटों का निर्माण व जीर्णोद्धार हेतु ₹500 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- **Micro Irrigation:** 1 लाख हेक्टेयर+ क्षेत्र में योजना, 3.50 लाख हेक्टेयर में Drip व Sprinkler सिस्टम हेतु ₹1,250 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- 25 हज़ार फार्म पोंड, 10 हज़ार डिग्गियाँ, 50 हज़ार सौर पम्प व 20 हज़ार किमी पाइपलाइन हेतु ₹900 करोड़ का प्रावधान।
- PM किसान सम्मान निधि: वार्षिक सहायता ₹9,000 किया गया।
- गेहूं के MSP पर बोनस ₹150 प्रति क्विंटल।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **राजस्थान कृषि विकास योजना** (RajKVY) के तहत आगामी वर्ष में ₹1,350 करोड़ के कार्य प्रस्तावित।
- 1,000 Custom Hiring Centres स्थापित किये जाएंगे।
- आधुनिक कृषि उपकरणों के लिये ₹300 करोड़ का अनुदान, 1 लाख किसानों को लाभ मिलेगा।
- मृदा शक्ति संवर्द्धन योजना के तहत हरी खाद के लिये 3 लाख ढैंचा बीज मिनीकिट उपलब्ध।
- कृषि क्षेत्र में नवाचार हेतु AI Excellence Centre की स्थापना की जाएगी।
- बांसवाड़ा में Centre of Excellence for Maize व भरतपुर में Centre of Excellence for Honey Bee-keeping की स्थापना की जाएगी।
- 75 हज़ार किसानों के लिये 30 हज़ार किमी. तारबंदी हेतु ₹324 करोड़ व्यय।
- एक लाख भूमिहीन कृषि श्रमिकों को ₹5,000 तक के कृषि यंत्र व उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।
- 100 Farmer Producer Organizations (FPOs) सदस्य कृषकों को विदेश (Israel सहित) व 5 हज़ार कृषकों को राज्य से बाहर प्रशिक्षण हेतु भेजा जाएगा।
- Global Rajasthan Agri-Tech Meet (GRAM) का आयोजन होगा।
- 35 लाख से अधिक किसानों को ₹25,000 करोड़ के ऋण देने का प्रावधान। ₹768 करोड़ ब्याज अनुदान पर व्यय का प्रावधान।
- Gopal Credit Card के तहत 2.50 लाख गोपालकों को ब्याज मुक्त ऋण हेतु ₹150 करोड़ का प्रावधान।
- दीर्घकालीन सहकारी कृषि व गैर-कृषि क्षेत्र हेतु ₹400 करोड़ के ऋण पर 5% ब्याज अनुदान।
- नवीन स्थापित 8 ज़िलों में क्रय-विक्रय सहकारी संघ (KVSS) स्थापित होंगे।
- अनूपगढ़-श्रीगंगानगर में मिनी फूड पार्क एवं सांचौर-जालोर में एग्रो फूड पार्क बनेंगे।
- कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधार हेतु Power Cleaning Machines।
- बांरा में लहसुन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।

पशुपालन एवं डेयरी:

- **मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना:** बीमित पशुपालकों की संख्या दोगुनी, ₹200 करोड़ अतिरिक्त व्यय का प्रावधान।
- **पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना:** औषधियों व टीकों की संख्या बढ़कर 200।
- **दुग्ध उत्पाद व पशुआहार संयंत्र:** Milk Plants की क्षमता वृद्धि व विस्तार हेतु ₹540 करोड़।
- **नवीन दुग्ध संयंत्र:** अलवर, उदयपुर, बांसवाड़ा, भरतपुर एवं सवाई माधोपुर में , ₹225 करोड़ लागत।
- **नवीन बाईपास प्रोटीन पशुआहार संयंत्र:** राजसमंद–नाथद्वारा व उदयपुर में ₹150 करोड़ व्यय।
- **दुग्ध संग्रहण लक्ष्य:** 13 लाख लीटर, 1,000 नई सहकारी समितियाँ/संग्रह केंद्र स्थापित।
- **गौशालाएँ व नंदीशालाएँ:** प्रति पशु अनुदान ₹50 प्रतिदिन।
- 200 ग्राम पंचायतों में नए पशु चिकित्सा उप केंद्र स्थापित होंगे।
- बस्सी–जयपुर में Sex Sorted Semen Lab स्थापित किया जाएगा।
- 100 पशु चिकित्सा अधिकारी व 1,000 पशुधन निरीक्षक नियुक्त होंगे।

ग्रीन बजट:

- राज्य का पहला ग्रीन बजट प्रस्तुत किया गया।
- 10 प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस– (1) जलवायु परिवर्तन **अनुकूलन (2) वन एवं पर्यावरण- जैव विविधता/पारिस्थितिकी (3) सतत कृषि, जल संचयन/पुनर्भरण (4) सतत भूमि उपयोग (5) हरित ऊर्जा (6) पुनर्चक्रण एवं अपशिष्ट निपटान- परिपत्र अर्थव्यवस्था (7) स्वच्छ तकनीक विकास (8) हरित लेखा परीक्षा (9) क्षमता निर्माण-शिक्षा, कौशल (10) हरित वित्त पोषण।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 5 वर्षीय 'जलवायु अनुकूलन योजना–2030' लागू।
- ₹150 करोड़ की लागत से **Centre of Excellence for Climate Change** स्थापित होगा।
- हरित क्षेत्र विस्तार हेतु **Tree Outside Forest** (ToFR) Policy व **एग्रो-फॉरेस्ट्री** नीति लागू।
- **सवाई माधोपुर में घड़ियाल पालन केंद्र** स्थापित होंगे।
- **नेशनल नैचुरल फार्मिंग मिशन:** आगामी वर्ष 2.50 लाख किसानों को अनुदान।
- **जैविक खेती:** 1 लाख किसानों को जैव एजेंट्स व बायोपेस्टिसाइड्स का लाभ।
- लघु एवं सीमांत किसानों को बैल से खेती हेतु ₹30 हज़ार का प्रोत्साहन, गोबर गैस संयंत्र पर सब्सिडी।
- **मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान** 2.0: 4700+ गाँवों में Water Harvesting Structures पर ₹2,700 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- **विकसित राजस्थान @2047:** GIS आधारित Green Land Use Perspective Plan।
- सौर उपकरणों के बढ़ते उपयोग हेतु **सोलर दीदी** के रूप में नवीन मानदेय, 25 हज़ार महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- PHED (Public Health Engineering Department) के पंपिंग स्टेशनों को Hybrid Annuity Model (HAM) मॉडल से सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा।
- Circular Economy के व्यापक प्रसार के लिये **Rajasthan Circular Economy Incentive Scheme-2025** का प्रावधान।
- Recycling/Reuse हेतु R&D को ₹2 करोड़ के अनुदान का प्रावधान।
- Circular Economy के क्षेत्र में कार्यरत MSMEs व Startups को ऋण पर 0.5% अतिरिक्त छूट प्रदान किया जाएगा।
- राज्य में **Rajasthan Vehicle Scrap Policy** लागू।
- सभी ज़िला मुख्यालयों पर Waste to Wealth Parks, ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक की स्थापना किया जाएगा।
- ₹250 करोड़ से स्वच्छ एवं हरित प्रौद्योगिकी विकास केंद्र की स्थापना।
- आगामी 3 वर्षों में ₹900 करोड़ से स्वच्छ और हरित-पारिस्थितिकी शहर का विकास।
- **सतत विकास लक्ष्य समन्वय और त्वरण केंद्र (SDGCAC)** की स्थापना।
- कार्बन क्रेडिट के तर्ज पर Rajasthan Green Credit Mechanism एवं Tradable Credits विकसित किया जाएगा।
- ₹100 करोड़ से **Rajasthan Green Challenge Fund**, ₹250 करोड़ से हरित आरावली विकास परियोजना प्रारंभ।

विवरण	वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान
राजस्व प्राप्तियाँ	₹2,94,536.49 करोड़
राजस्व व्यय	₹3,25,545.90 करोड़
राजस्व घाटा	₹31,009.41 करोड़
राजकोषीय घाटा	₹84,643.63 करोड़ *(GSDP का 4.25%)*
अनुमानित GSDP (वर्ष 2025-26)	₹19,89,000 करोड़ से अधिक
लक्ष्य (वर्ष 2030 तक)	$350 बिलियन की अर्थव्यवस्था निर्माण

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

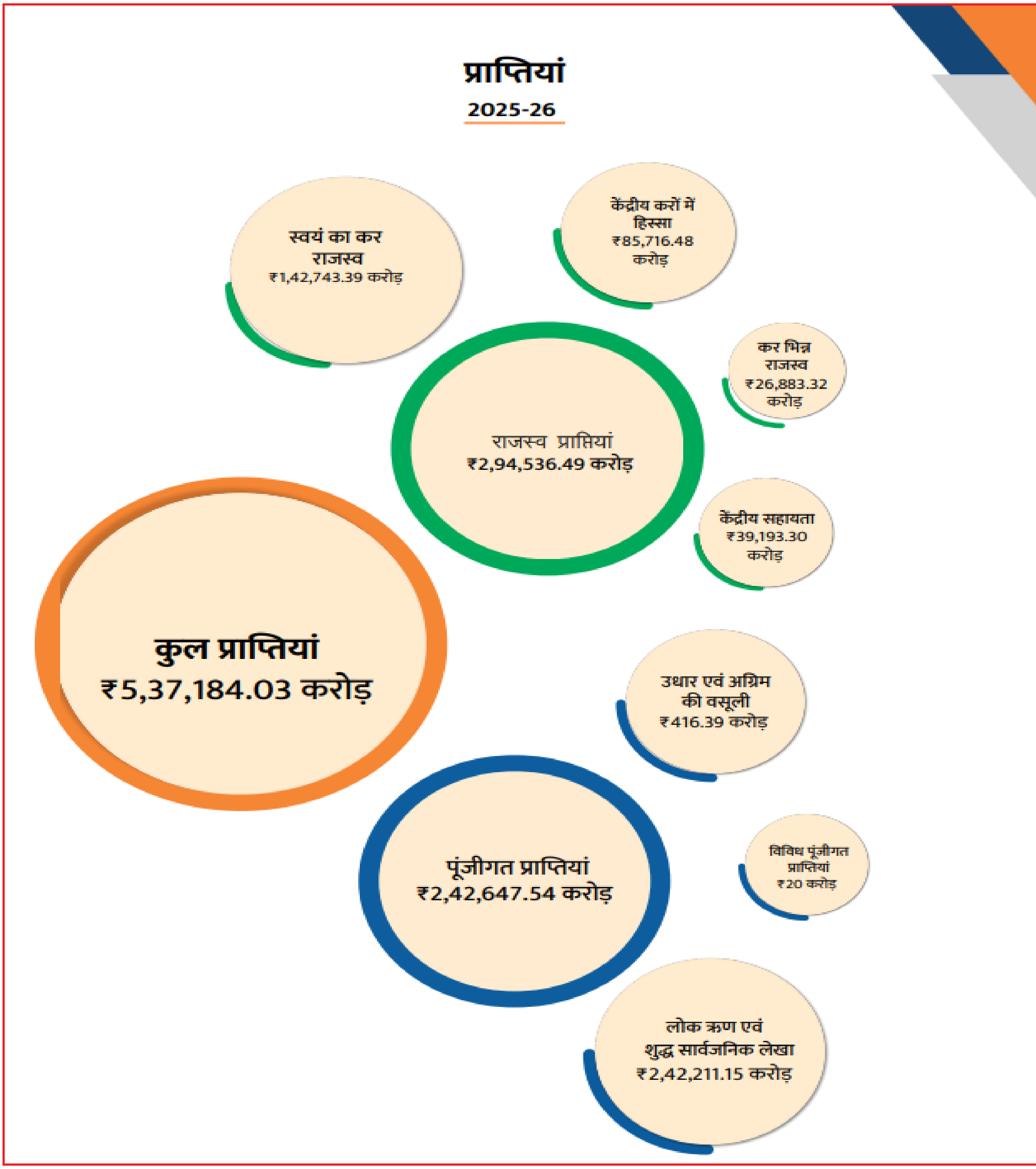

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

व्यय
2025-26

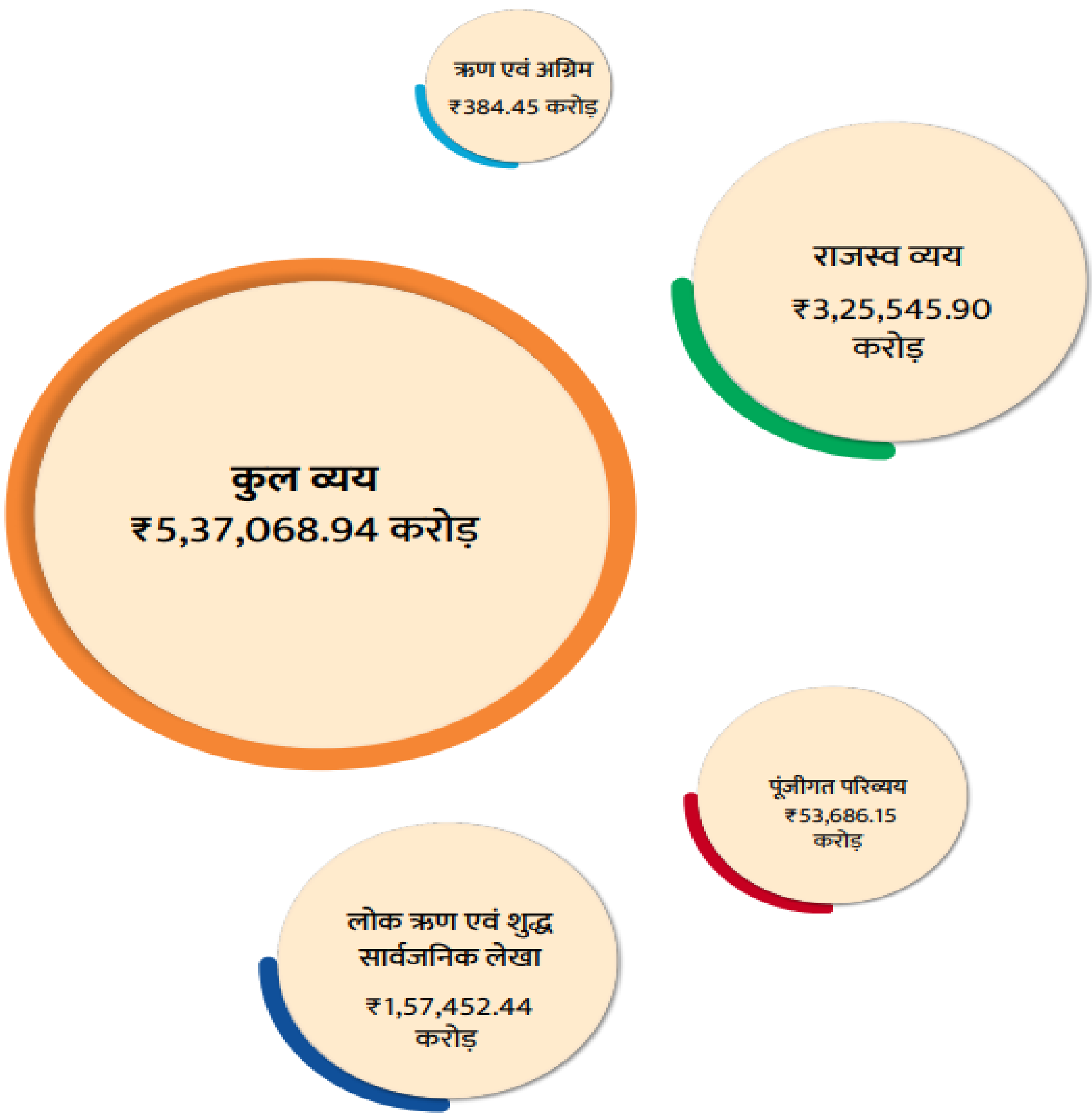

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कढ़ाई और सतह अलंकरण प्रदर्शनी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **कढ़ाई और सतह अलंकरण** को समर्पित भारत की पहली प्रदर्शनी जोधपुर में तीन स्थानों, अचल निवास, लक्ष्मी निवास, अनूप सिंहजी की हवेली में आयोजित की गई।

मुख्य बिंदु

- **प्रदर्शनी के बारे में**
  - यह प्रदर्शनी **शहरी पुनरुद्धार पहल JDH** के सहयोग से टैक्सटाइल डिजाइनर मयंक मान सिंह कौल द्वारा आयोजित की गई है।
  - प्रदर्शनी में **भारत और विदेश के 20 से अधिक कलाकारों की 60 कलाकृतियाँ प्रदर्शित** की गई।
  - यह प्रदर्शनी कलाकारों की शिल्पकला को उजागर करती है और उनके काम को एक मंच प्रदान करती है।
  - इस प्रदर्शनी में बिहार की **खेता रजाई,** पश्चिम बंगाल की **कांथा,** लखनऊ की चिकनकारी और गुजरात के **कच्छ की जटिल शैलियों** जैसे विभिन्न कढ़ाई के रूपों को प्रदर्शित करके भारतीय हस्तशिल्प की समृद्धि और विविधता को उजागर किया गया है।
- **उद्देश्य:**
  - **शिल्पकला को उजागर करना:** प्रदर्शनी का प्रमुख उद्देश्य कढ़ाई को केवल कपड़ों तक सीमित न रखते हुए, इसे एक गतिशील और अभिव्यंजक कला के रूप में प्रस्तुत करना है।
  - **विविध कढ़ाई तकनीकों का प्रदर्शन करना**
  - प्रदर्शनी में कढ़ाई की तकनीकों को शिल्पकला और समकालीन वस्त्रों के बीच के संबंध को दिखाना।
  - कारीगरों को सशक्त बनाना

जोधपुर

- **परिचय**
  - जोधपुर थार मरुस्थल का प्रवेश द्वार है। **'ब्लू सिटी'** के नाम से लोकप्रिय 'जोधपुर' राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।
  - जोधपुर को 'सूर्य नगरी' के नाम से भी जाना जाता है।
- **स्थापना:**
  - जोधपुर की स्थापना वर्ष 1459 में राव जोधा ने की थी। इसे पहले मंडोर के स्थान पर बसाया गया था और यह राठौड़ वंश का मुख्यालय बन गया।
- **भौगोलिक स्थिति:**
  - जोधपुर 26°-27°37' उत्तरी अक्षांश और 72°55'-73°52' पूर्वी देशांतर पर स्थित है।
- **प्रमुख दर्शनीय स्थल:**
  - **मेहरानगढ़ दुर्ग** – एक विशाल किला जो पहाड़ी चट्टान पर स्थित है।
  - **जसवंत थड़ा** – एक स्मारक, जो महाराज जसवंत सिंह की याद में बनाया गया।
  - **उम्मेद भवन पैलेस** – एक शानदार महल जो आजकल होटल के रूप में भी कार्यरत है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ◆ **घंटाघर और मंडोर गार्डन** – जोधपुर के प्रसिद्ध स्थल हैं।
- ◆ **सच्चियाय माता मंदिर, माचिया बायोलॉजिकल पार्क, कायिलाना झील** – धार्मिक और प्राकृतिक स्थल।
- ◆ **गणेश मंदिर** – प्रसिद्ध धार्मिक स्थल।
- **संस्कृति और अर्थव्यवस्था:** जोधपुर की संस्कृति समृद्ध है, जो पारंपरिक राजस्थानी वास्तुकला, संगीत, नृत्य और कला से भरी हुई है। शहर की प्रसिद्ध नील रंग की इमारतों ने इसे "ब्लू सिटी" का नाम दिलवाया है।

12वाँ क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम

चर्चा में क्यों?

भारत एशिया और प्रशांत क्षेत्र में **12वें क्षेत्रीय** 3आर **और** सर्कुलर इकोनॉमी **फोरम** की मेज़बानी करेगा। यह 3-5 मार्च 2025 को **जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में** आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **फोरम के बारे में:**
  - ◆ **विषय:**
    - ■ आयोजन का विषय "**रियलाइजिंग सर्कुलर सोसाइटीज टूवार्ड्स एचीविंग SDG एंड कार्बन न्यूट्रीलिटी इन एशिया पेसिफिक**" पर केंद्रित होगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य और महत्त्व:**
  - यह सम्मेलन एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 3आर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल) और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।
  - इसका उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को नीतिगत जानकारी प्रदान करना और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान करना है।
  - यह फोरम सर्कुलर अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सतत विकास लक्ष्यों (SDG) और कार्बन तटस्थता **की दिशा में** प्रगति को समर्थन देने पर केंद्रित है।
- **भारत का नेतृत्व और दृष्टिकोण:**
  - भारत का **'इंडिया पैवेलियन'** 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, जो भारत के समग्र सरकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है। **भारत ने पहले भी इस फोरम की मेज़बानी (2018 में इंदौर) की थी।**
- **जयपुर घोषणा:**
  - फोरम का समापन एशिया-प्रशांत देशों में संसाधन-कुशल, सर्कुलर अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिये **'जयपुर घोषणा'** को अपनाने के साथ होगा।
  - **जयपुर घोषणा (2025-34) हनोई घोषणा (2013-23) पर आधारित होगी** और यह 3R (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकल) और सर्कुलर अर्थव्यवस्था नीतियों को विकसित करने के लिये एक रूपरेखा प्रदान करेगी।

क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के बारे में:

- यह फोरम **वर्ष 2009** संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय विकास केंद्र (UNCRD) द्वारा शुरू किया गया था।
- यह एशिया-प्रशांत देशों में स्थायी विकास को प्रोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में **3R (कम करना, पुन: उपयोग करना और पुनर्चक्रण करना)** और सर्कुलरिटी को मुख्यधारा में लाने के लिये नीति संबंधी रणनीतिक सुझाव प्रदान करना तथा 3R के सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य करना है।

बाल महोत्सव 'आजू गूजा'

चर्चा में क्यों?

22-23 फरवरी 2025 को राजस्थान के बीकानेर में बच्चों के लिये पहले बाल महोत्सव 'आजू गूजा' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - यह महोत्सव जिला प्रशासन **द्वारा** आयोजित किया गया, जिसमें देश भर से 50 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया।
  - इसमें बच्चों को नृत्य, संगीत, चित्रकला और कई अन्य कला रूपों से परिचित कराया गया।
- **कला और शिल्प गतिविधियाँ**
  - महोत्सव में **पपेट्री, स्टोरी टेलिंग, थिएटर, चित्रकला, माइम, क्लाउन एक्ट, जादूगर शो, वेंट्रिलोक्विज़्म, कावड़, बायोस्कोप, लोक संगीत और नृत्य** जैसी गतिविधियों ने बच्चों का भरपूर मनोरंजन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- महोत्सव में विभिन्न प्रकाशकों द्वारा **बाल साहित्य पुस्तकों की प्रदर्शनी** लगाई गई, जिनमें प्रथम, नेशनल बुक ट्रस्ट, एकलव्य, अमर चित्र कथा, आदिदेव, राज कॉमिक्स और कॉलास्टिक प्रमुख रहे।

बीकानेर के बारे में

- **स्थापना:**
  - बीकानेर की स्थापना सन् 1488 ई. में, राठौड़ **राजकुमार राव बीकाजी** ने की थी।
- **भौगोलिक स्थिति:**
  - अक्षांश 28.01° उत्तर और रेखांश 73.9° पूर्व पर स्थित।
- **भौगोलिक विशेषता:**
  - रेगिस्तानी ज़िला, उत्तर-पूर्व राजस्थान में स्थित।
  - बीकानेर में कोई नदी नहीं है।
- **सीमाएँ:**
  - **उत्तर:** श्रीगंगानगर।
  - **पश्चिम:** जैसलमेर और पाकिस्तान।
  - **पूर्व:** चुरु और श्री डुंगरगढ़।
  - **दक्षिण-पूर्व:** नागौर और जोधपुर।
- **दर्शनीय स्थल:**
  - **करणी माता का मंदिर:** चूहों के मंदिर के रूप में प्रसिद्ध।
  - **मुकाम मंदिर:** बिश्नोई सम्प्रदाय का मुख्य धार्मिक स्थल।
  - जूनागढ **किला:** राजस्थान के सबसे सुंदर किलों में से एक।
  - **भांडशाह जैन मंदिर:** शहरी परकोटे के भीतर स्थित प्राचीन जैन मंदिर।
  - **लूणकरनसर** - खारे पानी की झील।
  - **गजनेर अभयारण्य** - बटबट(इम्पीरियल सेंडगाउज, रेत का तीतर) पक्षी तथा जंगली सुअर के लिये प्रसिद्ध है।
- **सभ्यताएँ:**
  - सोथी, पूंगल, डाडाथोरा प्राचिन सभ्यताएँ बीकानेर में है।
- **ऊँट अनुसंधान केंद्र:**
  - दुनियाँ का सबसे बड़ा ऊँट अनुसंधान और प्रजनन केंद्र बीकानेर (1984) में है।
    - बीकानेर में हर साल जनवरी में ऊँट महोत्सव का आयोजन होता है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :